epaper.dehatsandesh.com

3 कठुआ शहर के वार्ड नंबर 19 के स्थानीय लोग गंदा पानी पीने को मजबूर

5 हम कर मैच वैसे ही खेलेंगे, जैसा हमने गुजरात के खिलाफ खेला था: वार्नर

8 पहाड़ी क्षेत्रों में बेलदार सब्ज़ियों की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 20 — अधिकतम 34

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-99 | जम्मू तवी, वीरवार 25 अप्रैल, 2024 | मूल्य-2 रूपये, पृष्ठ -8

जम्मू संसदीय चुनाव में 17.80 लाख से अधिक मतदाता 26 अप्रैल को 22 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे

जम्मू तवी 24 अप्रैल। अप्रैल 26 को होने वाले लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 5-जम्मू संसदीय क्षेत्र के 17.80 लाख से अधिक मतदाता 22 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। जम्मू संसदीय क्षेत्र रियासी, सांबा, जम्मू और राजौरी सहित चार जिलों के 18 विधानसभा क्षेत्रों में फैला हुआ है। रिटर्निंग ऑफिसर 5-जम्मू संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, जम्मू संसदीय क्षेत्र में 17,80,835 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 9,21,095 पुरुष, 8,59,712 महिला और 28 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इनमें 37,822 (37,025 पुरुष और 797 महिला) सर्विस वोटर हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने पूरे निर्वाचन क्षेत्र में 2416 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं।

तीन विधानसभा क्षेत्रों-गुलाबगढ़ (एसटी), रियासी और श्री माता वैष्णो देवी वाले रियासी जिले में 23,52,62 मतदाता हैं, जिनमें 12,33,23 पुरुष, 11,19,36 महिला और तीन ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इनमें 1393 सर्विस वोटर (1364 पुरुष, 29 महिला) भी हैं। ईसीआई ने जिले भर में 425 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं, जिनमें 97 संवेदनशील और 16 संवेदनशील मतदान केंद्र शामिल हैं।

तीन विधानसभा क्षेत्रों-रामगढ़ (एससी), सांबा और विजयपुर वाले सांबा जिले में 2,59,198 मतदाता हैं, जिनमें 1,32,861 पुरुष, 1,26,336 महिला और एक ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इनमें 10,269 (10,073 पुरुष, 196 महिला) सर्विस वोटर हैं। ईसीआई ने जिले में 365 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं, जिनमें 72 महत्वपूर्ण मतदान केंद्र शामिल हैं।

जम्मू जिले में 11 विधानसभा क्षेत्र बिश्नाह (एससी), सुचेतगढ़ (एससी), आर.एस. पुरा-जम्मू दक्षिण, बाहु, जम्मू पूर्व, नगरोटा, जम्मू पश्चिम, जम्मू उत्तर, मढ़ (एससी), अखनूर (एससी) और छंब में 11,89,389 मतदाता हैं, जिनमें 6,13,988 पुरुष, 5,75,378 महिला और 23 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इनमें 24,315 सर्विस वोटर (23,768 पुरुष, 547 महिला) भी हैं। ईसीआई ने जिले भर में 1488 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं, जिनमें 38 संवेदनशील और 15 संवेदनशील मतदान केंद्र शामिल हैं।

इसी तरह, जम्मू संसदीय क्षेत्र में पड़ने वाले एकमात्र कालाकोट-सुंदरबनी विधानसभा क्षेत्र वाले राजौरी जिले में 96,986 मतदाता (50,923 पुरुष, 46,062 महिला) और एक ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। इनमें 1845 (1820 पुरुष, 25 महिला) सर्विस वोटर हैं। ईसीआई ने विधानसभा क्षेत्र में 138 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं, जिनमें 88 संवेदनशील और 14 गंभीर मतदान केंद्र शामिल हैं।

आर.एस. पुरा-जम्मू दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 1,24,744 मतदाता (64,687 पुरुष, 60,054 महिला), 1592 सेवा सहित तीन ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। चुनाव आयोग ने इस विधानसभा क्षेत्र में 147 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं। इसी तरह, रियासी जिले के श्री माता वैष्णो देवी विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 55,737 मतदाता हैं (29,340 पुरुष, 26,397 महिलाएं जिनमें 271 सेवा मतदाता शामिल हैं) और चुनाव अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र में 91 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं।

लोकसभा चुनाव- दूसरे चरण का प्रचार समाप्त, 26 अप्रैल को 88 सीटों पर होगा मतदान

नई दिल्ली, 24 अप्रैल । आम चुनाव 2024 के दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा। दूसरे चरण में 12 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 1206 उम्मीदवारों के साथ-साथ बाहरी मणिपुर लोकसभा सीट से 4 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। मणिपुर बाहरी सीट पर पिछले चरण में भी मतदान हुआ था और इस चरण में सीट के एक हिस्से में मतदान होगा। चुनाव आयोग ने पहले मध्य प्रदेश की बैतूल लोकसभा सीट पर भी दूसरे चरण में मतदान कराने का ऐलान किया था लेकिन बसपा उम्मीदवार अशोक भलावी के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। अब यहां तीसरे चरण में यानी 7 मई को मतदान होगा।

इस चरण में वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके खिलाफ सीपीआई की एनी राजा चुनाव मैदान में है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्र भी उनके खिलाफ लड़ रहे हैं। इसी चरण में केरल में तिरुवनंतपुरम सीट पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के बीच मुकाबला है। इस चरण में मथुरा और मेरठ में भी मतदान होगा, जिसमें फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी और रामायण में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल भाजपा के उम्मीदवार हैं।

बिहार की पूर्णिया सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा है, जहां भाजपा और राष्ट्रीय जनता दल के अलावा निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पप्पू यादव मैदान में हैं। छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव सीट से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

केरल की अलपुझा सीट से कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, पश्चिम बंगाल की बालुरघाट सीट से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार, उदयपुर सीट से ताराचंद मीना (कांग्रेस), भीलवाड़ा से कांग्रेस नेता सीपी जोशी, जालौर से पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे वैभव गहलोत, कोटा से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, जोधपुर राजस्थान से केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कर्नाटक की तुमकुर सीट से वी सोमन्ना, मांड्या से जेडीएस नेता एचडी कुमार स्वामी, बेंगलुरु दक्षिण से भाजपा के युवा नेता तेजस्वी सूर्या और अमरावती से हाल ही में भाजपा में शामिल हुई नवनीत राणा चुनाव मैदान में हैंइस चरण में असम की पांच करीमगंज, सिलचर, मंगलदै, नवगोंग और कलियाबोर; बिहार की पांच किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर और बांका; छत्तीसगढ़ की तीन राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर; जम्मू-कश्मीर की एक जम्मू; कर्नाटक की 14 उडुपी चिकमंगलूर, हसन, दक्षिण कन्नड़, चित्रदुर्ग, तुमकुर, मांड्या, मैसूर, चामराजनगर, बेंगलुरु ग्रामीण, बेंगलुरु उत्तर, बेंगलुरु सेंट्रल, बेंगलुरु दक्षिण, चिकबल्लापुर और कोलार सीट पर मतदान होगा।

वंदे भारत रेलगाड़ियों में रेलयात्रियों को 500 मिलीलीटर की पानी की बोतल प्रदान की जाएगी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि कीमती पेयजल की बर्बादी को बचाने के लिए रेलवे द्वारा सभी वंदे भारत ट्रेनों में प्रत्येक यात्री को 500 मिलीलीटर की एक रेल नीर पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर (पीडीडब्ल्यू) बोतल देने का निर्णय लिया है । 500 मिलीलीटर की एक और रेल नीर पीडीडब्ल्यू बोतल यात्रियों की मांग पर बिना कोई अतिरिक्त शुल्क लिए दी जाएगी ।

जम्मू-कश्मीर में अधिकांश स्थानों पर पारा बढ़ने के बावजूद रात का तापमान सामान्य से नीचे

जम्मू, 24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर में अधिकांश स्थानों पर पारा बढ़ने के बावजूद रात का तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। हालांकि जम्मू में दिन का तापमान लगातार बढ़ता ही जा रहा है जिससे लोगों के पसीने छूटना शुरू हो गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि 25 अप्रैल तक आम तौर पर शुष्क मौसम की उम्मीद है लेकिन दोपहर में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश और ओलावृष्टि की गतिविधि से इंकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि 26-28 अप्रैल तक आम तौर पर बादल छाए रहेंगे और अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ हल्की बर्फबारी (ऊंचाई वाले स्थानों पर) होने की संभावना है।29-30 अप्रैल तक आमतौर पर बादल छाए रहने और कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। 1-3 मई तक आमतौर पर शुष्क मौसम का पूर्वानुमान लगाया गया है। इसी बीच श्रीनगर का न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस, काजीगुंड में 7.2 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में 3.6 डिग्री सेल्सियस, कोकरनाग में 7.7 डिग्री सेल्सियस, कुपवाड़ा शहर में 6.7 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग में 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बारामूला में पहाड़ी से गिरने से एक महिला की मौत

बारामूला 24 अप्रैल। बारामूला जिले के उरी के बसग्रान गांव में बुधवार को बंदर से बचने के प्रयास में एक महिला पहाड़ी से गिर गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि जोहरा बेगम पत्नी सैयद ईशा शाह गिलानी बसग्रान गांव में पहाड़ी इलाके में गुजर रही थी। इस दौरान बंदर महिला के पीछे भागने लगा। बंदर से बचने की कोशिश में घबराई हुई महिला पहाड़ी से नीचे गिर गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

राजौरी में सरकारी कर्मचारी की हत्या के मामले में पूछताछ के लिए 67 लोग हिरासत में

राजौरी, 24 अप्रैल। राजौरी जिले के शाहदरा इलाके में एक सरकारी कर्मचारी की हत्या के मामले में पूछताछ के लिए 67 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

यह जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी।एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि राजौरी जिले के कुंडा शाहदरा इलाके में एक सरकारी कर्मचारी मोहम्मद रजाक की हत्या की घटना के संबंध में पुलिस थाना थानामंडी में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

उन्होंने कहा कि हमलावरों में से एक अबू हमजा कोड नाम वाले एक विदेशी आतंकवादी की पहचान के संबंध में प्रारंभिक जांच में एक सफलता हासिल हुई है, जिसे पहचान की तस्वीर के साथ पहले ही साझा किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद अब तक 67 संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच चल रही है और किसी भी मामले की जांच के दौरान हिरासत में लेना और पूछताछ करना एक नियमित प्रक्रिया है।

स्वास्थ्य सचिव द्वारा श्री अमरनाथजी यात्रा की व्यवस्थाओं की समीक्षा

जम्मू तवी 24 अप्रैल। सचिव, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह ने आगामी श्री अमरनाथजी यात्रा, 2024 के लिए की जा रही स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्थाओं की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, प्रशासनिक सचिव ने अधिकारियों को यात्रियों के लिए समन्वित स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड, स्वास्थ्य विभाग और सुरक्षा बलों के साथ मिलकर सहयोग करने का निर्देश दिया। सचिव ने अधिकारियों को यात्रा शुरू होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिये। उन्होंने यात्रा मार्ग पर स्थापित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर पोर्टेबल और फिक्स्ड ऑक्सीजन आपूर्ति दोनों के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा,

उन्होंने निदेशक स्वास्थ्य सेवा, कश्मीर को ओएनजीसी द्वारा 100 बिस्तरों वाले अस्पताल की स्थापना में तेजी लाने और अस्पताल के लिए आवश्यक मानव संसाधनों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया कि तीर्थयात्रियों के लिए सभी आवश्यक दवाएं और चिकित्सा उपकरण आसानी से उपलब्ध हों। सचिव ने तीर्थयात्रियों के लिए एक निर्बाध और परेशानी मुक्त यात्रा अनुभव प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों, विशेषकर राजमार्गों और यात्रा मार्ग के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अपेक्षित स्वास्थ्य कर्मचारी आसानी से उपलब्ध होने चाहिए। उन्होंने सभी स्तरों पर त्वरित और विश्वसनीय आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली लागू करने का आह्वान किया और अधिकारियों को यात्रा मार्ग पर एम्बुलेंस की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। यात्रा के दौरान 102 और 108 एम्बुलेंस सिस्टम को अलर्ट पर रखने को कहा। निदेशक स्वास्थ्य सेवा कश्मीर ने यात्रा के लिए नियोजित स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्थाओं का अवलोकन प्रदान किया। उन्होंने बताया कि कुल 55 चिकित्सा केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिनमें बालटाल और चंदनवाड़ी में 100 बिस्तरों वाले 06 बेस अस्पताल, 11 चिकित्सा सहायता केंद्र, 12 आपातकालीन सहायता केंद्र, 26 ऑक्सीजन बूथ और 15 ऑन-रूट सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 17 ऑन-रूट सुविधाओं को स्टैंडबाय पर रखा जाएगा। निदेशक ने यह भी साझा किया कि उन्होंने यात्रा के लिए 173 विशेषज्ञों, 244 चिकित्सा अधिकारियों और 998 पैरामेडिक्स सहित कुल 1415 स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों को तैनात करने की योजना बनाई है। इनमें से 754 जम्मू-कश्मीर से प्राप्त किए जाएंगे, और 661 का अनुरोध भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से किया जाएगा।

कभी नहीं कहा संपत्ति बांटेंगे, हम देश में जातीय जनगणना कराएंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी की ओर से लगातार आलोचना की शिकार कांग्रेस पार्टी और उनके नेता राहुल गांधी संपत्ति पुनर्वितरण पर पीछे हटते दिखाई दे रहे हैं। सैम पित्रोदा के बयान के बाद कांग्रेस पार्टी लगातार स्पष्टीकरण दे रही है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज कहा कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि हम संपत्ति बंटवारे पर कार्रवाई करेंगे लेकिन हम देश में जातीय जनगणना का काम कराएंगे।

नई दिल्ली के जवाहर भवन में आयोजित सामाजिक न्याय सम्मेलन में राहुल गांधी ने यह बात कही। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें जाति में नहीं, बल्कि न्याय में दिलचस्पी है लेकिन

जानकारी के लिए जातीय जनगणना जरूरी है ताकि पता चल सके कि कितना अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना मेरे लिए राजनीति का मुद्दा नहीं है, ये मेरे जीवन का मिशन है। राहुल गांधी ने कहा कि जातिगत जनगणना एक सर्वेक्षण नहीं है। इसमें आर्थिक और संस्थागत घटक भी शामिल किए जाएंगे। जिससे पता चल सके कि कौन सा समुदाय सबसे ज्यादा लाभांवित है ओर आर्थिक सामाजिक न्याय के लिए क्या करने की जरूरत है। इनका कहना है कि हिंदुस्तान के 90 प्रतिशत लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 साल से कह रहे थे कि वे ओबीसी हैं लेकिन जैसे ही मैंने जातिगत जनगणना की बात की वे कहते हैं हिंदुस्तान में सिर्फ दो ही जाति हैं, अमीर और गरीब। राहुल गांधी ने कहा कि मैं कह रहा हूं कि अगर आप गरीबों की लिस्ट देखेंगे तो उसमें आपको एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के लोग मिल जाएंगे, लेकिन, अमीरों के लिस्ट में आपको एक भी नहीं मिलेंगे।

बांदीपोरा में मुठभेड़ जारी, दो जवान घायल

बांदीपोरा 24 अप्रैल। बांदीपोरा जिले में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच बुधवार को मुठभेड़ शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि इस मुठभेड़ में दो से तीन आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए है। इस मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए है। घायल जवानों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां पर उनका उपचार जारी है।

कश्मीर जोन पुलिस ने कहा कि अरागाम बांदीपुरा के रेन्जी वन क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि इस मुठभेड़ में दो से तीन आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए है। इस मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए है।

सचिव आईटी ने सरकारी वेबसाइटों की सुरक्षा ऑडिट की समीक्षा की

जम्मू तवी, 24 अप्रैल। आयुक्त सचिव सूचना प्रौद्योगिकी प्रेरणा पुरी ने विभागीय वेबसाइटों और अनुप्रयोगों के संबंध में सुरक्षा ऑडिट के संचालन की प्रगति की समीक्षा हेतु सभी विभागीय नोडल अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई। आयुक्त सचिव ने सभी प्रशासनिक विभागों को 30 अप्रैल, 2024 तक सीईआरटी-इन पैनलबद्ध एजेंसियों के माध्यम से अपनी विभागीय वेबसाइटों/एप्लिकेशनों का सुरक्षा ऑडिट सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्धारित समयसीमा के भीतर ऑडिटिंग प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के लिए भी कहा। बैठक के दौरान, ई-ऑफिस में डीएससी या आधार आधारित ई-साइन/ई-हस्ताक्षर के उपयोग के संबंध में जीएडी द्वारा जारी निर्देशों के मद्देनजर सभी नोडल अधिकारियों के लिए जकेजा द्वारा एक हैंड-होल्डिंग और प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया। डीएससी के उपयोग का उद्देश्य डिजिटल कामकाजी माहौल को अपनाना, भौतिक दस्तावेजों पर निर्भरता को कम करना, साइबर स्पेस में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित सुरक्षा उपायों का अभ्यास करना और ई-ऑफिस में सरकारी फाइलों तक अनधिकृत पहुंच को रोकना है। बैठक में अतिरिक्त सचिव आईटीडी, विभागीय नोडल अधिकारी और जेकेईजीए की परियोजना टीम ने भाग लिया।

पीडीपी के युवा अध्यक्ष वहीद रहमान पारा ने श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र किया दाखिल

श्रीनगर, 24 अप्रैल। पीडीपी के युवा अध्यक्ष वहीद रहमान पारा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, जहां 13 मई को चौथे चरण में मतदान होना है।

पीडीपी महासचिव गुलाम नबी लोन हंजुरा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ पारा ने श्रीनगर के उपायुक्त बिलाल मोहि-उद-दीन भट के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया, जो निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी हैं।

बाद में पत्रकारों से बात करते हुए पार्रा ने कहा कि पीडीपी कश्मीर के लोगों की आवाज संसद में उठाएंगे।

पार्रा ने कहा कि इस चुनाव में हमारा प्रयास है कि कश्मीर के लोग महबूबा मुफ्ती की टीम को सफल बनाएं ताकि हम आपकी आवाज सबसे बड़े संस्थान में उठा सकें और आपके मुद्दों का प्रतिनिधित्व कर सकें। पीडीपी एकमात्र पार्टी है जिसने पिछले पांच वर्षों में लोगों की आवाज उठाई है। हमारा प्रयास इस आवाज को नई दिल्ली, संसद और देश के लोगों तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि पीडीपी लोगों की आवाज उठाएगी और हमें उम्मीद है कि हम तीनों सीटें जीतेंगे। इससे पहले पर्रा ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले से श्रीनगर तक की यात्रा की। इसके बाद वह शहर के केंद्र में ऐतिहासिक क्लॉक टॉवर पर थोड़ी देर रुकने के बाद यहां उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 25 अप्रैल है जबकि मतदान 13 मई को होगा।

बिना अनुमति के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तस्वीरें पोस्ट करने वालों से सतर्क रहे जनता : पुलिस

जम्मू, 24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जनता से अपील की है कि उचित अनुमति के बिना सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों पर डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तस्वीरें पोस्ट करने वालों से सतर्क रहें। इपुलिस प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर कहा कि यह देखा गया है कि कुछ व्यक्ति सोशल मीडिया पर डीजीपी या अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ तस्वीरें साझा कर रहे हैं, जो अक्सर सामाजिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान खींच ली जाती हैं, जहां वे अतिथि के रूप में मौजूद होते हैं। कुछ लोग ये तस्वीरें संबंधित अधिकारियों की सहमति के बिना सोशल मीडिया के प्लेटफार्मों पर साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह व्यवहार न सिर्फ अशोभनीय है बल्कि गैरकानूनी भी है। यदि इन तस्वीरों का दुरुपयोग व्यक्तिगत लाभ के लिए दूसरों को डराने या प्रभावित करने के लिए किया जाता है, यह एक आपराधिक अपराध बन जाता है। जम्मू-कश्मीर पुलिस इस बात पर जोर देती है कि ऐसी गतिविधियों के संबंध में जनता को रिपोर्ट करनी चाहिए और उन्हें उजागर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समुदाय के सदस्यों, छात्रों, श्रमिकों और निवासियों सहित नागरिकों से आग्रह किया जाता है कि वे इन बेईमान व्यक्तियों से किसी भी तरह के नतीजे से न डरें। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता को आश्वस्त करती है कि वे गैरकानूनी उद्देश्यों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तस्वीरों का दुरुपयोग करते हुए पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तस्वीरें साझा करते समय सतर्क रहना और नैतिक मानकों को बनाए रखना सभी के लिए आवश्यक है।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने मुजफ्फर हुसैन बेग से मांगा समर्थन

श्रीनगर, 24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने बुधवार को उत्तरी कश्मीर के बारामूला निर्वाचन क्षेत्र में आगामी लोकसभा चुनावों में समर्थन मांगने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री मुजफ्फर हुसैन बेग और उनकी पत्नी सफीना से मुलाकात की।

बारामूला संसदीय क्षेत्र में 20 मई को मतदान होने वाला है जबकि पूर्व मुख्यमंत्री जम्मू-कश्मीर उमर अब्दुल्ला, पूर्व सांसद राज्यसभा फैयाज मीर सहित कई दिग्गज राजनेता चुनावी मैदान में हैंलोन और बेग के बीच जो मुलाकात हुई वह मौजूदा लोकसभा चुनाव में चुनावी

समर्थन मांगने तक ही सीमित थी। पीसी के चेयरमैन सज्जाद लोन ने कहा कि हमारी बातचीत चुनाव को लेकर थी और उनका समर्थन मांगना मेरा अधिकार है।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने अपने अध्यक्ष सज्जाद लोन को उत्तरी कश्मीर के बारामूला क्षेत्र से मैदान में उतारा है। लोन हंदवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित विधान सभा के पूर्व सदस्य हैं।

2014 के जम्मू और कश्मीर विधान सभा चुनाव में लोन ने उत्तरी कश्मीर के हंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 5000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की। वह राज्य विधान सभा के लिए चुने गए दो पीपुल्स कॉन्फ्रेंस उम्मीदवारों में से एक थे।

बच्चे को गर्मियों में सुरक्षित रखने के सुझाव

गर्मी की शुरुआत के साथ, इन सरल नुस्खोंनुक्तों से आपको अपने बच्चे को ठंडा और आराम से रखने में मदद मिलेगी।

अपने बच्चे को ठंडे सूती कपड़े पहनाएं

सुनिश्चित कीजिए कि आपके बच्चे ने आरामदायक और पहनने में आसान शैली के सूती कपड़े पहने हुए हैं। कृत्रिम फेब्रिक या सिंथेटिक कपड़े इस्तेमाल नहीं कीजिए क्योंकि वे गर्माहट को रोकते हैं और बच्चे के लिए बहुत परेशानीदायक होते हैं। उनके कारण घमोरी और गर्मी के ददोरे हो सकते हैं। अपने बच्चे की नाजुक त्वचा को सूरज की सीधी किरणों से बचाने के लिए लंबी बाजू के हल्के कपड़े चुनें। धूपताम्रता की रोकथाम करने के लिए अपने डाक्टर द्वारा बताई गई सनस्क्रीन इस्तेमाल करें। अगर आप अपने बच्चे के लिए धूप का हैट या टोपी इस्तेमाल करती हैं तो सुनिश्चित करें कि वह चौड़े रिम वाला हैट है और आरामदायक तरीके से फिट होता है। प्लास्टिक वाले हैटों से रक्त परिसंचारण पर दबाव पड़ सकता है और उनसे बचना सर्वश्रेष्ठ है।

चरम गर्मी के समय (सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक) घर के अंदर रहें

जब गर्मी का असर सबसे ज्यादा होता है तब अंदर रहना बुद्धिमत्ता की बात है। अगर आपको धूप में निकलना ही पड़ता है तो सुनिश्चित कीजिए कि आपका बच्चा सही प्रकार से सुरक्षित है। अपने बच्चे को सुबह जल्दी या शाम को देर से सैर के लिए ले जाएं। स्ट्रोलर या प्राम से फालतू गद्दियों को हटा दीजिए क्योंकि वे बहुत गर्म हो सकती हैं और हवा की आवाजाही भी रोक सकती हैं।

डायपर के इस्तेमाल को कम से कम करें और उनकी जगह पर कपड़े की नैपियां इस्तेमाल करें : यथासंभव अधिक सीमा तक डायपर इस्तेमाल नहीं करें - कई बच्चों की कमर पर घमोरी और गर्मी के ददोरे हो सकते हैं क्योंकि पसीना डायपर की कृत्रिम कमरपेटी के चारों ओर इकट्ठा हो जाता है। उनकी जगह पर बढ़िया सोखने वाले सूती कपड़े की नैपियां इस्तेमाल करें। कपड़े की नैपियां न केवल आपके बच्चे को ठंडा रखेंगी बल्कि गर्मी और नैपी रैश की रोकथाम भी करेंगी।

तरल पदार्थों की खुराक बढ़ाएं

लस्सी, मिल्क शेक, फलों का ताजा जूस (बोतलबंद किस्म का नहीं), और नारियल के पानी (तरोताजा बनाने वाला और स्वादिष्ट, दोनों) के रूप में तरल पदाथो की खुराक बढ़ाएं। अगर आपके बच्चे की उम्र छह महीने से कम है और आप केवल स्तनपान करवा रही हैं तो आपको अतिरिक्त पानी देने की जरूरत नहीं है, गर्मी के मौसम में भी नहीं। भारत जैसे गर्म देशों में किए गए अध्ययनों ने दर्शाया है कि बच्चों को जब उनका मन चाहे, स्तनपान मिलने पर उनका निर्जलीकरण नहीं होता है। स्वयं स्तन के दूध में ज्यादातर पानी होता है और गर्म मौसम में बच्चे ज्यादा बार स्तनपान करने की प्रवृत्ति रखते हैं, थोड़े-थोड़े वक्त के लिए। इस प्रकार, उन्हें अतिरिक्त अग्रदूध मिल जाता है जो बाद में आने वाले वसा समृद्ध दूध से ज्यादा पतला और अधिक तरोताजा बनाने वाला होता है। इसलिए अपने बच्चे को, जब वह चाहे, तब स्तनपान करने दें और उसे भरपूर मात्रा में पानी मिल जाएगा। बहरहाल, बोतल द्वारा आहार ग्रहण करने वाले बच्चों के लिए गर्म मौसम में कुछ उबला हुआ ठंडा पानी देना बुद्धिमत्ता की बात है।

रेहड़ी वालों से आईस-क्रीम, गोला और फलों का जूस नहीं लें

अपने बच्चे को बाहर का (खासतौर पर सड़क के रेहड़ी-खोमचे वालों का) भोजन और पानी नहीं दें। जब कभी आप अपने बच्चे के साथ बाहर जाएं तो अपने बच्चे के लिए भोजन और पानी को हमेशा अपने साथ ले जाएं। अपने बच्चे का खाना रखने के करने के लिए बढ़िया क्वालिटी के खाद्य ग्रेड प्लास्टिक के बर्तन खरीदें। अपने बच्चे को खाना खिलाने से पहले उसका स्वाद चखें कि कहीं वह खराब तो नहीं हो गया है। यह गर्मी के महीनों में खासतौर पर सच है जब पका हुआ भोजन बहुत जल्दी खराब हो जाता है।

मालिश के लिए तेल का इस्तेमाल नहीं करें

गर्मी के महीनों में, मालिश के तेल इस्तेमाल नहीं करना बेहतर होता है क्योंकि उनके कारण घाम या नवजात एकज़िमा (दाद) हो सकता है, अगर इनको सही प्रकार धोया नहीं जाए। बहरहाल, अगर आप गर्मियों में बच्चे की मालिश करना जारी रखती हैं तो जैतून के तेल या नारियल के तेल को अपनाएं, जो परंपरागत रूप से ठंडा करने वाले तेल माने जाते हैं। सुनिश्चित करें कि इसको पूरी तरह से धो दिया गया है और आपके बच्चे की त्वचा पर बाकी नहीं बचा है। अपने बच्चे पर मॉश्चराइजर्स और लोशनों को भी अत्यधिक इस्तेमाल नहीं करें।

बच्चे को ठंडा रखने के लिए अत्यधिक टेल्कॅम पाउडर इस्तेमाल नहीं करें

अनेक माताएं नहाने के ठीक बाद ढेर सारी मात्रा में टेल्कॅम पाउडर लगाती हैं, यह मानते हुए कि इससे बच्चा ठंडा बना रहेगा। ऐसा नहीं है क्योंकि गीली त्वचा पर पाउडर जम कर एक परत बना देता है जो और खुजलाहट एवं तकलीफ पैदा कर सकता है। इसके इस्तेमाल को सीमित करें, खासतौर पर डायपर और गले के भाग में। बच्चे के शरीर पर टेल्कॅम पाउडर लगाते समय सावधानी बरतें कि इसको सांस के साथ ग्रहण नहीं किया जाए। इसको कम से कम इस्तेमाल करें और अच्छी तरह से रगड़ें।

बच्चे को पानी में खेलकर ठंडा होने दीजिए

गर्मी आपके बच्चे के लिए पानी में खेलने के लिए बिल्कुल मुनासिब समय है। आप अपने बच्चे को थोड़े से पानी और नहाने के कुछ खिलौनों के साथ उसके बाथटब या छोटे फुलाए जाने वाले बेबी पूल में बिठा सकती हैं। उसको कुछ देर चारों ओर छींटे उड़ाने दीजिए। बच्चे को चारों ओर, तथा आप पर पानी के छींटे उड़ाना पसंद आएगा। हमेशा यह काम तब कीजिए जब आप बच्चे के पास हों और उसे कभी भी एक मिनट तक के लिए अकेला नहीं छोड़िए। सार्वजनिक स्विमिंग पूल इस्तेमाल नहीं करना ज्यादा सुरक्षित होता है क्योंकि शायद वहां सही स्वच्छता नहीं हो।

बच्चे को नहलाने के तुरंत बाद एयरकंडीशन्ड कमरे में नहीं ले जाएं

अपने बच्चे को नहलाने के बाद उसको खुले शरीर एक एयरकंडीशन्ड कमरे में नहीं ले जाना बेहतर होता है। एयरकंडीशन को केवल तब चालू करें जब अपने बच्चे को पूरे कपड़े पहना दिए हों और उसके बाल सूख चुके हों। अपने बच्चे को मोटे सूती कपड़े और बनियान पहनना बुद्धिमत्ता है अगर आप उसको पूरे दिन एयरकंडीशनर में रखना चाहती हैं। अगर बच्चे सही प्रकार से सुरक्षित नहीं हैं तो उनको बहुत जल्दी ठंड लग सकती है या जुकाम हो सकता है।

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीडऩ से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

आत्मविश्वास से निखरती है प्रतिभा

पूरे धैर्य व आत्मविश्वास से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। यह सब मैंने पापा से बचपन से सुना है, लेकिन इस बात का एहसास मुझे 14 वर्ष की उम्र में हुआ, जब मैंने अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचाना।

हर किसी में छुपी होती है एक खास प्रतिभा, बस उसे पहचानने भर की देर है, फिर देखिए आपकी छिपी हुई खूबी निखरकर कैसे आपकी एक अलग पहचान बनाती है। पूरे धैर्य व आत्मविश्वास से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। यह सब मैंने पापा से बचपन से सुना है, लेकिन इस बात का एहसास मुझे 14 वर्ष की उम्र में हुआ, जब मैंने अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचाना।

किताबों में बने चित्र या कैलेंडर में बने देवी-देवताओं के चित्र मुझे बचपन से ही लुभाते रहे हैं, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भी इस तरह के सुंदर चित्र बना पाऊंगी। मैं सोचती रहती कि जिस भगवान ने इंसान व प्रकृति की इतनी सुंदर व सजीव आकृतियां बनाई हैं, जिसकी सबसे सुंदर कृति हम इंसान हैं, क्या कभी मैं उन भगवान के चित्र को खुद अपनी कला में उतार पाऊंगी? पर यह असंभव कार्य तब संभव हुआ, जब पापा की दी हुई सीख को ध्यान में रखकर एक दिन मैंने भगवान कृष्ण का चित्र बनाने की कोशिश की। मेरे अथक प्रयास व धैर्य से बनाने पर कृष्ण का बड़ा ही सुंदर व मनमोहक चित्र उभरकर सामने आया, जिसे देखकर मैं और मेरे घरवाले बहुत खुश हुए। तब से लेकर आज तक मैंने तमाम चित्र बनाए हैं और मेरी चित्रकारी ने एक अलग पहचान बनाई है। जब पास-पड़ोस के लोग मुझसे देवी-देवताओं का या कोई और चित्र बनवाने के लिए आते हैं, तो बहुत सुकून मिलता है।

इसलिए दोस्तो, मैं आप सभी से यही कहना चाहूंगी कि आप भी अपनी प्रतिभा को पहचानें और उसी कार्य को करें जिसे करने में आपको आनंद आता हो। चाहे वह पढ़ाई हो, एक्टिंग, सिंगिंग, चित्रकारी या समाजसेवा से जुड़ा कोई कार्य। पूरे जोश व आत्मविश्वास के साथ उस काम को करिए तथा धैर्य के साथ सफलता पाने के लिए प्रयास करते रहिए। अंत में इन पंक्तियों से अपनी बात समाप्त करना चाहूंगी : साधना में धैर्य रखना बड़ी बात है, बीज बोकर कितनी प्रतीक्षा करनी होती है, एक दिन प्रतीक्षा प्राप्ति में बदलती है, बीज फटकर पौधे के रूप में आ जाते हैं भूमि से बाहर।

क्यों 'दरियाई' हुआ यह 'घोड़ा'?

विज्ञान दरियाई घोड़े को व्हेल का रिश्तेदार बताता है लेकिन जनश्रुतियों में उसकी उत्पत्ति और पानी-प्रेम को लेकर अधिक दिलचस्प कहानियां गढ़ी गई हैं...।

पिछले दिनों बड़ी दिलचस्प खबर आई थी कि कैसे एक दरियाई घोड़े ने एक वाइल्डबीस्ट (अफ्रीकी बारहसिंघा) को मगरमच्छ से बचाने की भरसक कोशिश की। इससे पहले भी कभी जमीन पर, तो कभी पानी में रहने वाले इस भारी-भरकम प्राणी द्वारा ऐसा ही व्यवहार किए जाने और कभी हिरण तो कभी किसी और प्राणी को बचाने के चित्र तथा वीडियो देखने में आए थे।

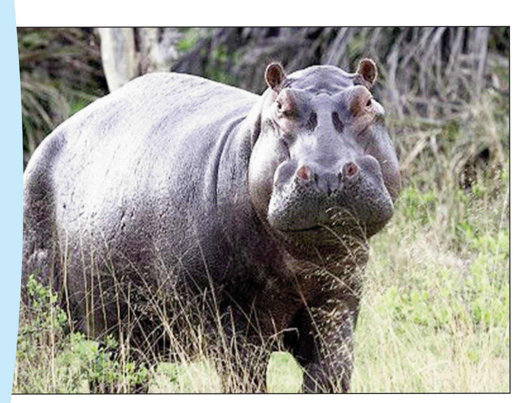

किसी प्राणी द्वारा स्वयं की अथवा अपने बच्चों की रक्षा के लिए आगे आना तो आम बात है। किसी पालतू पशु द्वारा अपने मालिक या उसके परिजनों को बचाने के लिए जान पर खेल जाना भी देखा गया है। मगर किसी दूसरी प्रजाति के, खुद से असंबद्ध सदस्य को खतरे में देख उसकी रक्षा के लिए आगे आना दरियाई घोड़े का विलक्षण बर्ताव है।

भारी, तगड़ा, लगभग बाल-रहित शरीर, छोटी-छोटी टांगें और कुछ बेढंगे-से आकार का सिरः दरियाई घोड़ा जीव-जगत में अपनी अलग पहचान रखता है। विज्ञान कहता है कि दरियाई घोड़ा व्हेल का रिश्तेदार है और आज से करीब साढ़े पांच-छह करोड़ साल पहले के इन दोनों के पूर्वज एक ही हैं। इधर जनश्रुतियों में दरियाई घोड़े की उत्पत्ति और उसके पानी-प्रेम को लेकर अधिक कल्पनाशील कहानियां सुनाई जाती हैं।

अफ्रीका की एक जनजाति का मानना है कि जब ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और वे सारे प्राणियों को उनके गुण और काम का आवंटन कर रहे थे, तो दरियाई घोड़े ने पानी में रहने की जिद पकड़ ली। पहले तो ईश्वर ने साफ मना कर दिया। वे दरियाई घोड़े को बड़ा-सा पेट (और मुंह) दे चुके थे, उन्हें डर था कि अगर इसे पानी में रहने दिया, तो यह सारी मछलियां खा जाएगा! जब वह बहुत गिड़गिड़ाया, तो उसे इस शर्त पर पानी में रहने की अनुमति दी गई कि वह सिर्फ घास खाएगा।

एक अन्य अफ्रीकी जनजाति कहती है कि पानी के साथ दरियाई घोड़े का रिश्ता मजबूरी में जन्मा। एक समय उसके खूब लंबे, घने बाल हुआ करते थे। एक बार खरगोश ने ईर्ष्यावश उसके बालों को आग लगा दी। खुद को बचाने के लिए दरियाई घोड़ा पास ही की एक झील में कूद गया पर तब तक उसके लगभग सारे बाल जल चुके थे। अपने इस बाल-रहित रूप पर उसे इतनी शर्मिंदगी हुई कि वह पानी से बाहर आने को तैयार ही न हुआ।

उधर नाइजीरिया में दरियाई घोड़े के पानी में रहने के पीछे एक अलग ही कारण बताया जाता है। कहते हैं कि कई सौ साल पहले इसांतिम नामक एक दरियाई घोड़ा जंगल पर राज करता था। उसकी सात पत्नियां थीं। वह बड़ा उदार था और जब-तब अपनी प्रजा के लिए बढ़यिा दावत का आयोजन करता था। मगर एक अजीब बात यह थी कि उसकी पत्नियों के अलावा किसी को उसका नाम नहीं पता था! एक बार ऐसी ही एक दावत के मौके पर इसांतिम को शरारत सूझी।

जैसे ही सारे मेहमान भोजन करने के लिए बैठने लगे, उसने ऐलान कर दिया, 'आप मेरे यहां खाना खाने तो आ गए लेकिन क्या आप लोगों को मेरा नाम मालूम है? जिनको मेरा नाम नहीं मालूम, वे बिना भोजन किए वापस जा सकते हैं...।₹ सारे मेहमान सकते में आ गए क्योंकि नाम तो कोई नहीं जानता था। सब एक-एक कर भूखे पेट ही रवाना होने लगे। मगर कछुए ने जाने से पहले राजा को चुनौती दी,'अगर अगली दावत के दिन मैं आपको आपका नाम बता दूं, तो आप क्या करेंगे?₹ दरिया घोड़ा बोला, 'ऐसा हुआ, तो मुझे इतनी शर्मिंदगी होगी कि मैं अपने परिवार सहित जमीन छोड़ पानी में रहने चला जाऊंगा।₹ कछुआ जानता था कि राजा रोज सुबह अपनी पत्नियों के साथ नदी पर नहाने और पानी पीने जाता था। वह आगे-आगे चलता और पत्नियां पीछे-पीछे। एक सुबह कछुए ने नदी की ओर जाने वाले रास्ते में एक जगह गड्ढा बना दिया और पास ही जाकर छुप गया। राजा के वहां से गुजरने के बाद, उसकी पत्नियां पहुंचें, इससे पहले कछुआ जाकर उस गड्ढे में ऐसे छुप गया, कि उसके खोल का कुछ हिस्सा जमीन से ऊपर रहे। जब राजा की पत्नियों में से एक वहां से निकली, तो उसे कछुए के खोल की ठोकर लगी और वह अपने पति को पुकार उठी, 'ओह इसांतिम! देखो न, मुझे चोट लग गई!₹ कछुआ खुश हो उठा। उसे राजा का नाम जो पता चल गया था!

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

20 अप्रैल से लापता महिला का सुराग नहीं

उधमपुर, 24 अप्रैल (हि.स.)। उधमपुर से करीब 8 किलोमीटर दूरी पर सरमेडी में स्थित गांव बैली की रहने वाली एक महिला रूफाना अख्तर उम्र 23 वर्ष पत्नी मोहम्मद हमीद अपने ससुराल से 20 अप्रैल को डॉक्टर को दिखाने की बात कहकर कहीं चली गई है जिसका अभी तक कोई पता नहीं चल सका है।

महिला अपने पीछे तीन बच्चे छोड़ गई है जोकि अपनी मां का पलकें बिछाए इंतजार कर रहे हैं। वहीं इस संबंध में उसके पति मोहम्मद हमीद द्वारा उधमपुर में लापता होने रिपोर्ट दर्ज करवा दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई आरंभ कर दी है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मोहम्मद हमीद ने बताया कि वह मिस्त्री का कार्य करता है तथा 20 अप्रैल को वह अपने काम गया हुआ जबकि उसके पिता अन्य कार्य कर रहे थे। उसकी पत्नी जो कि बच्चों के साथ घर में अकेली थी ने अपने पिता को फोन कर जानकारी दी कि वह अपने आप को दिखाने के लिए डॉक्टर के पास जा रही है लेकिन उसके उपरांत वह घर नहीं लौटी। उसने बताया कि उसकी हर जगह तथा हर रिश्तेदार के यहां तलाश करने के उपरांत पुलिस स्टेशन उधमपुर में रिपोर्ट दर्ज करवा दी है।

उसका कहना था कि अगर वह मिल जाती है तो वह सबसे पहले उसको उसके मायके वालों को सौंपेंगे, क्योंकि उनके द्वारा उन पर व उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। वह उसको नहीं रख सकता है, क्योंकि वह आगे भी दोबारा ऐसी हरकत कर उसके परिवार को मुसिबत में ड़ाल सकती है। कितनी देर बर्दाशत करेंगे। हमीद का कहना था कि वह बच्चों को जैसे-तैसे करके उनका पालन पोषण कर लेगा।

मोहम्मद नजीर के पिता ने बताया कि एक बार पहले भी वह इसी तरह से अपने मायके चली गई थी वहां पर तीन चार माह रहने के उपरांत उसके परिजनों द्वारा उसे दोबारा से भेज दिया था। उसके उपरांत सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन पता नहीं अब वह कहां चली गई है। उसको बच्चों पर भी जरा सा भी तरस नहीं आया है।

कठुआ शहर के वार्ड नंबर 19 के स्थानीय लोग गंदा पानी पीने को मजबूर

कठुआ 24 अप्रैल (हि.स.)। कठुआ शहर के वार्ड नंबर 19 शिवानगर के स्थानीय लोगों ने गंदे पानी की सप्लाई के संबंध में संबंधित विभाग के खिलाफ रोष व्यक्त किया है।

वार्ड 19 के पूर्व पार्षद राहुल देव सहित वार्ड वासियों ने बताया कि वार्ड नंबर 19 में पिछले 25 वर्षों से पाइपलाइन बिछी हुई है जिसके बाद गलियों के निर्माण कार्यों के दौरान पुरानी पाइपें जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हुई है और सीवरेज का गंदा पानी इन्हीं पाइपों के जरिए लोगों के घरों तक पहुंच रहा है।

जिसकी वजह से लोगों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और लोग बीमार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल शक्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता के समक्ष समस्या को रखा। जिसके बाद वार्ड में नई पाइप लाइन भी बिछाई गईं है लेकिन मात्र खानापूर्ति की गई है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि इस संबंध में जब कार्यकारी अभियंता से मिले तो उन्होंने आश्वासन दिया था कि उन्हें इस समस्या से जल्द निजात दी जाएगी लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी उनकी समस्या का हल नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि अब कार्यकारी अभियंता को रोजाना फोन कर रहे हैं लेकिन अब उनका फोन भी नहीं उठाते। वार्ड के स्थानीय लोगों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके इस समस्या का हाल जल्दी नहीं हुआ तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

उपराज्यपाल ने सनातन संस्कृति पर उत्थान फाउंडेशन की संगोष्ठी में भाग लिया

ग़ाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश 24 अप्रैल। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सनातन धर्म की सांस्कृतिक विरासत, मूल्यों और सिद्धांतों पर एक संगोष्ठी में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन उत्थान फ़ाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा देवकली, गाजीपुर में किया गया था।

उपराज्यपाल ने अपने मुख्य भाषण में उत्थान फ़ाउंडेशन के प्रयास की सराहना की और प्रगतिशील समाज के निर्माण में सनातन संस्.ति की भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, सनातन धर्म की सांस्.तिक विरासत, मूल्य और सिद्धांत नागरिकों को एक समतावादी समाज की ओर मार्गदर्शन करते हैं जहां हर कोई अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने में सक्षम है। उन्होंने लोगों से एक न्यायपूर्ण और न्यायसंगत समाज को सुरक्षित करने की दिशा में काम करने का आह्वान किया।

उपराज्यपाल ने कहा, सनातन संस्.ति शाश्वत, समावेशी और लोगों को मानवतावाद के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करने वाली है। सनातन संस्कृति सदाचारी जीवन और सभी के लिए समानता, समभाव, भाईचारे और करुणा पर जोर देती है। आज भारत विश्व गुरु बनने की राह पर है और आज की सांस्.तिक जागृति सभी को समर्पण और भक्ति के साथ मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित कर रही है। आज भारत औपनिवेशिक अतीत के अवशेषों को त्याग रहा है और लोग गौरवशाली विरासत पर गर्व कर रहे हैं।

उपराज्यपाल ने सनातन संस्कृति की सेवा की शिक्षाओं को याद किया और लोगों से समानता और न्याय पर आधारित एक देखभाल करने वाला समाज बनाने और देश की विकास यात्रा में योगदान देने का आग्रह किया और कहा कि यह हम सभी के लिए सर्वसमावेशी विकास के लिए मिलकर काम करने का सुनहरा अवसर है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रगतिशील और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में योगदान देना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता

जम्मू, 24 अप्रैल (हि.स.)। भारतीय सेना ने अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में मॉडल अकादमी सगरा (बलनोई) में एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें तीसरी से आठवीं कक्षा के चालीस बच्चों ने भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा और पर्यावरण संबंधी संदेशों का प्रदर्शन किया। प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं को स्टेशनरी हैम्पर्स प्राप्त हुए।

स्कूल के प्रिंसिपल, स्टाफ और भारतीय सेना के प्रतिनिधियों द्वारा प्रविष्टियों का मूल्यांकन रचनात्मकता और पर्यावरण जागरूकता के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता ने पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के प्रति संगठन के समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत किया।

कांग्रेस और उसके गठबंधन का लक्ष्य आय, बचत और संपत्ति लूटना है : भाजपा

जम्मू, 24 अप्रैल (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री कविन्द्र गुप्ता ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों का लक्ष्य अब जनता की मेहनत की कमाई, बचत और विरासत में मिली संपत्ति को लूटना है। उन्होंने कहा कि एक शातिर तुष्टिकरण के एजेंडे पर चलते हुए कांग्रेस भारत और उसके लोगों को नष्ट कर रही है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता, पूर्व एमएलसी विक्रम रंधावा, पूर्व वीसी बलबीर राम रतन और मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा भाजपा मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। कविंद्र गुप्ता ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र कुछ और नहीं बल्कि तुष्टिकरण का एक असफल एजेंडा है जिसने अंग्रेजों से भारत की आजादी के बाद से दशकों तक राष्ट्र के ताने-बाने को नष्ट कर दिया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपनी तुष्टिकरण की नीतियों से देश के विभिन्न हिस्सों में राष्ट्र विरोधियों को जन्म दिया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में गरीब, किसान, महिलाएं और युवा विकास के एजेंडे से समृद्ध हुए हैं लेकिन कांग्रेस जनता को धोखा देने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस फूट डालो और राज करो की ब्रिटिश नीति का पालन कर रही है और जाति आधारित जनगणना की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपनी चतुर विचारधारा से बाबा साहब द्वारा लिखे गए भारत के संविधान को कमजोर करने की कोशिश की है और अपने फायदे के लिए तुष्टीकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

कठुआ पुलिस ने लापता महिला को खोजकर परिजनों को सौंपा

कठुआ 24 अप्रैल (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने पुलिस चौकी नगरी पैरोल के क्षेत्र में एक लापता महिला को खोजकर उसके परिवार के सदस्यों से मिलवाया है। जानकारी के अनुसार एक शिकायतकर्ता द्वारा दिनांक 03 जनवरी 2024 को एक लापता महिला शवानी देवी पत्नी रवि कुमार निवासी तरफ पेन नगरी तहसील नगरी जिला कठुआ के संबंध में पुलिस पोस्ट नगरी में शिकायत दर्ज करवाई गई और तदनुसार गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। वहीं लापता महिला का पता लगाने के लिए तलाश शुरू की गई।

24 अप्रैल 2024 को डीएसपी मुख्यालय कठुआ की देखरेख में प्रभारी पुलिस चौकी नगरी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने अथक प्रयासों के बाद लापता महिला का पता लगाया। इसी बीच कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद खोजी गई महिला को उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को सौंप दिया गया।

सांबा पुलिस ने कुख्यात अपराधी पर लगाया पीएसए

सांबा 24 अप्रैल (हि.स.)। जिला सांबा पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एसएसपी सांबा विनय कुमार की देखरेख में कुख्यात अपराधी को सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लेकर उसे जेल में बंद किया है।

जानकारी के अनुसार कुख्यात अपराधी शिव दयाल उर्फ सत्री पुत्र राजिंदर कुमार निवासी चोहाला कोठे तहसील आरएस पुरा जिला जम्मू ए/पी वार्ड 06 तेली बस्ती बाड़ी ब्राह्मणा जिला सांबा के खिलाफ विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी आपराधिक गतिविधियों ने सार्वजनिक शांति और अमन-चैन के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया था। आपराधिक गतिविधियों में उसकी बार-बार संलिप्तता के बाद एसएसपी सांबा द्वारा तैयार विस्तृत डोजियर के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट सांबा द्वारा हिरासत का आदेश जारी किया गया था।

संत निरंकारी मिशन ने मानव एकता दिवस पर आयोजित किया रक्तदान शिविर

उधमपुर, 24 अप्रैल (हि.स.)। संत निरंकारी मिशन द्वारा बुधवार को मानव एकता दिवस पर उधमपुर संत निरंकारी भवन में जीएमसी उधमपुर के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया।

जिसमें 100 के करीब संत निरंकारी मिशन के स्वयं सेवकों द्वारा रक्त दान किया गया। इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ एडीडीसी राजिंद्र सिंह द्वारा किया गया।

संत निरंकारी मिशन के जोनल इंचार्ज ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इससे लोगों को मानवता सेवा के प्रति जागरुक किया जाता है।

'महिलाओं के मंगल सूत्र पश्चिम बंगाल में संदेशखाली की तरह खतरे में'

कठुआ 24 अप्रैल (हि.स.)। भाजपा जम्मू-कश्मीर के प्रवक्ता अभिजीत जसरोटिया ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्हें दलित और ओबीसी विरोधी कहा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के मंगल सूत्र और सोना पश्चिम बंगाल में संदेशखाली की तरह खतरे में हैं, क्योंकि कांग्रेस उन्हें छीनने और धर्म के आधार पर बांटने की योजना बना रही है।

बुधवार को भाजपा कार्यालय कठुआ में अभिजीत जसरोटिया प्रवक्ता बीजेपी की अध्यक्षता में एक पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकारों को संबोंधित करते हुए जसरोटिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी दलित और ओबीसी विरोधी है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में उनका जनता विरोधी चेहरा सामने आया : अजय भारती

अखनूर, 24 अप्रैल (हि.स.)। अखनूर भाजपा कार्यालय में बुधवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अजय भारती ने की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र में बहुत सी ऐसी बातें लिखी गई हैं जिसमें उसने कहा है कि विशेष धर्म के लोगों को हिन्दुओं की सम्पति से बेदखल करके उनको बाँटी जाएगी।

सभी की सम्पति की जांच करके हम अपने कब्जे में हिन्दुओ की संपत्ति को ले लेंगे। इसमें सोना, चांदी सब कुछ होगा। अजय ने कहा कि इस बार हम भाजपा सरकार बनाने के बाद लोगों की शिकायतों को दूर करेंगे। विकास में और तेजी लाकर सभी गांव, कस्बों को शहरों के साथ चेनलअप किया जाएगा। जिस तरह से मोदी सरकार गरीब व आम जनता के लिए कार्य करती रही है आगे भी वह इसी तरह से कार्य करती रहगी। इस मौके पर अशोक मिश्रा ने कहा कि कस्टोडियन विभाग युवाओं को काम के बारे में सरकार पहले ही सोच रही है। केन्द्र में सरकार बनाने के बाद जम्मू क्षेत्र नई उमंग और रोशनी का आगाज होगा जहाँ विश्वास के साथ विकास को प्रथामिकता दी जाएगी।

अशोक कौल ने रियासी में कई बैठकों को संबोधित किया

जम्मू, 24 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव अशोक कौल ने जिला रियासी के श्री माता वैष्णो देवी विधानसभा क्षेत्र में वरिष्ठ नेताओं और पोलिंग एजेंटों की कई बैठकों की अध्यक्षता की। कौल के साथ पवन खजूरिया, भाजपा उपाध्यक्ष, अरविंद गुप्ता, भाजपा सचिव समेत कई नेता मौजूद रहे। इन बैठकों को संबोधित करते हुए अशोक कौल ने पोलिंग एजेंटों से कहा कि वे मतदाता सूची के हर एक पन्ने को अच्छी तरह से जांच लें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी मतदाता छूट न जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को मजबूत करने में विश्वास रखती है और यह तभी संभव है जब मतदान प्रतिशत सौ फीसदी के करीब पहुंचे। उन्होंने उनसे प्रत्येक मतदाता से संपर्क करने और उन्हें भाजपा के सांसद उम्मीदवार जुगल किशोर शर्मा के पक्ष में मतदान करके लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए कहने को कहा।

कौल ने पार्टी नेताओं और पोलिंग एजेंटों से मतदाताओं को यह बताने के लिए कहा कि उनका हर एक वोट विकसित भारत की ओर एक कदम होगा, जिसके लिए मोदी सरकार दिन-रात काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमें पहले ही बता चुके हैं कि ये 10 साल तो बस एक छोटा सा ट्रेलर है और दुनिया अगले सालों में भारत का पुनरुत्थान देखेगी। विकासशील से विकसित भारत में परिवर्तन आसान नहीं है, लेकिन हम मिलकर भाजपा को वोट देकर इसे हासिल करेंगे।

कांग्रेस का घोषणापत्र देश व समाज के लिए घातक : अरूण गुप्ता

उधमपुर, 24 अप्रैल (हि.स.)। कांग्रेस द्वारा जारी किए गए घोषणापत्र को समाज और देश के लिए घातक है। कांग्रेस जिस तरह से समाज को जातियों और धर्म में बांट कर सत्ता हासिल करना चाहती है वो देश हित में नहीं है। उक्त बातें उधमपुर भाजपा के अध्यक्ष अरूण गुप्ता ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि जिस तरह कांग्रेस आर्थिक सर्वेक्षण करवाना चाहती है वो कहीं न कहीं कम्युनिस्टों की तरह बात कर रही है। पूरे विश्व में कम्युनिज्म का विचार खत्म हो चुका है लेकिन अपनी सत्ता की भूख मिटाने के लिए कांग्रेस उस विचार को देश में लागू करने की बात कर रही है। आर्थिक सर्वेक्षण में वो हर घर परिवार की संपत्ति की जानकारी लेकर जनता की मेहनत से कमाई गई संपत्ति को हड़प कर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को खुश करना चाहती है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने बजालता में नुक्कड़ सभा की

जम्मू, 24 अप्रैल (हि.स.)। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील प्रजापति ने कहा कि लोग नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार फिर से प्रधानमंत्री बनाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि इस बार धारा 370 हटने, राम मंदिर निर्माण के बाद मोदी लहर और तेज हो गई है। यहां जम्मू पूर्व निर्वाचन क्षेत्र के बजाल्ता मंडल में घर-घर जाकर अभियान तेज करते हुए, प्रजापति ने कहा कि उन्होंने अपनी हालिया सार्वजनिक बातचीत और रैलियों के दौरान देखा है कि लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने और अपने पसंदीदा नेता नरेंद्र मोदी को वापस लाने के लिए मतदान के दिनों का उत्साहपूर्वक इंतजार कर रहे हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने दोहराया कि लोगों ने भाजपा के लिए क्लीन स्वीप की स्थिति पेश करने का फैसला किया है क्योंकि जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों ने दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के सामने हार मान ली है क्योंकि उनके कार्यकर्ता जोश और उत्साह के अभाव में निष्क्रिय हो गए हैं। उन्होंने कहा, मोदी के प्रति स्नेह इतना बढ़ गया है कि विपक्षी दलों के नेताओं को यह डर सता रहा होगा कि कहीं उनके कार्यकर्ता भाजपा के पक्ष में वोट करके उन्हें धोखा न दे दें।

केपी की लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करेंगे- जफर इकबाल मन्हास

जम्मू, 24 अप्रैल (हि.स.)। अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट से अपनी पार्टी के उम्मीदवार जफर इकबाल मन्हास ने बुधवार को जम्मू के प्रेस क्लब में प्रवासी कश्मीरी पंडितों के साथ बातचीत की और समुदाय के सदस्यों को आश्वासन दिया कि वह उनकी लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करेंगे।

पार्टी के महासचिव विजय बकाया द्वारा प्रेस क्लब जम्मू में प्रवासी कश्मीरी पंडितों के साथ एक संवाद का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में प्रवासी समुदाय के सदस्य भी मौजूद थे। बैठक के दौरान अपनी पार्टी के नेताओं द्वारा प्रवासियों की मांगों और चिंताओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इसबीच पार्टी के उपाध्यक्ष और अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार जफर इकबाल मन्हास ने इस अवसर पर बात की और आश्वासन दिया कि वह कश्मीर में प्रवासी कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के लिए काम करेंगे। प्रवासी कश्मीरी पंडितों को समर्थन देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पारंपरिक पार्टियों ने वोट बैंक के रूप में उनका शोषण किया।उन्होंने कहा कि ये पार्टियाँ पिछले तीन दशकों में केपी के साथ किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहीं जिससे समुदाय रोजगार पाने और घाटी में सुरक्षित वापसी के अपने बुनियादी अधिकारों से वंचित हो गया। कश्मीरी पंडितों को कश्मीरी समाज का अभिन्न अंग बताते हुए उन्होंने कहा कि अपनी पार्टी को लगता है कि प्रवासियों को सुरक्षा और आत्मविश्वास की भावना प्रदान की जाएगी ताकि वे घाटी में लौट सकें। उन्होंने पारंपरिक पार्टियों द्वारा अपने फायदे के लिए फैलाई गई गलतफहमियों को खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया।

'विदेशी ताकतों के इशारों पर नाच रही कांग्रेस'

जम्मू, 24 अप्रैल (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस मतदाताओं से समर्थन पाने की हताशा में असुरक्षा की निराधार भावना पैदा करने की कोशिश कर रही है। चुघ ने कहा कि कांग्रेस के मार्गदर्शक और नीति निर्माता सैम पित्रोदा विदेशी धरती पर बैठकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन्हेरिटेंस कानून के साथ छेड़छाड़ का विचार ही कांग्रेस के शातिर मंसूबों के बारे में बताता है।

उन्होंने कहा कि सैम पित्रोदा द्वारा पेश किए गए विरासत कर प्रस्ताव का मतलब है, वे उन माता-पिता की मेहनत की कमाई छीन लेंगे जो इसे अपने बच्चों को नहीं दे पाएंगे। कांग्रेस का मंत्र है जीवन में लूटो और जीवन के बाद भी लूटो। चुघ ने कहा कि यह केवल इस तथ्य की गवाही देता है कि कांग्रेस विदेशी ताकतों के हाथों में खेल रही है। ह्य

छात्रों के कैरियर विकास के लिए परीक्षा पे संवाद 2024 कार्यक्रम

जम्मू, 24 अप्रैल (हि.स.)। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू (सीयूजे) ने परीक्षा पे संवाद 2024 का आयोजन किया। यह एक कॉर्पोरेट कनेक्ट पेप टॉक है, जिसका उद्देश्य विभिन्न विभागों में छात्रों को पेशेवर दुनिया के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट कार्यालय ने इस पहल का नेतृत्व किया, जिसमें सम्मानित उद्योग जगत के नेताओं और विशेषज्ञों की भागीदारी देखी गई।

टाइम्स ऑफ इंडिया के वरिष्ठ प्रबंधक उपेन्द्र कौल और लेडी बर्ड-फ़ेवियो के सीईओ भानु प्रताप सिंह ने प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार के लिए छात्रों को तैयार करने में इंटर्नशिप की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, और नेटवर्किंग जैसे हार्ड और सॉफ्ट दोनों कौशल के अधिग्रहण पर प्रकाश डाला। आईसीए एडु स्किल्स के राजेश गुप्ता और उनकी टीम ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे इंटर्नशिप छात्रों के लिए संगठनों में स्थायी प्रभाव डालने का एक मार्ग है, जिससे अक्सर उसी संगठन के भीतर पूर्णकालिक रोजगार के अवसर मिलते हैं।

इसी बीच प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी विराज मगोत्रा ने भी अपना दृष्टिकोण साझा किया कि कैसे इंटर्नशिप कॉर्पोरेट और अकादमिक सलाहकारों दोनों के समर्थन से गतिशील कार्य वातावरण में पेशेवरों के बीच प्रेरणा और करुणा की संस्कृति को बढ़ावा देती है।

संपादकीय

होम वोटिंग एक महत्वपूर्ण कदम

वृद्धों और विकलांग लोगों (पीडब्ल्यूडीएस) के लिए घर पर मतदान की सुविधा का लाभ उठाने की पहल वास्तव में प्रशंसनीय है क्योंकि इस सकारात्मक बदलाव से नागरिकों की उपरोक्त श्रेणियों को उत्साहित महसूस करने में मदद मिलेगी क्योंकि वे लोकतंत्र को अगले स्तर तक मजबूत करने में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस पहल के पीछे जो लोग हैं वे बधाई के पात्र हैं क्योंकि पहले ऐसे नागरिकों को ज्यादातर अलग-थलग कर दिया जाता था जिससे उन्हें अलगाव और दुख की घृणित अनुभूति होती थी।

कथित तौर पर, वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग लोगों (पीडब्ल्यूडी) के लिए सांबा और राजौरी जिलों में घरेलू मतदान आयोजित किया गया था। इस संदर्भ में, सांबा जिला निर्वाचन अधिकारी ने श्रेणियों के तहत 514 मतदाताओं को घर पर मतदान की सुविधा प्रदान करने के लिए 49 टीमों का गठन किया। घरेलू मतदान के लिए गठित 49 टीमों में से 18 टीमें विजयपुर निर्वाचन क्षेत्र के लिए, 15 टीमें रामगढ़ निर्वाचन क्षेत्र के लिए और 16 टीमें सांबा निर्वाचन क्षेत्र के लिए तैनात की गईं। उपरोक्त के समान, राजौरी के सुंदरबनी क्षेत्र में 191 लोगों ने घरेलू मतदान सुविधा का लाभ उठाया और अपना वोट डाला।

घरेलू मतदान दो दिनों के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिससे मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पर्याप्त समय और अवसर मिल रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने सुचारू और सुरक्षित चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए परिश्रमपूर्वक काम किया है। यह चुनावी प्रक्रिया की समावेशिता और पहुंच सुनिश्चित करने और लोकसभा चुनावों में लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

सांबा जिले के 514 मतदाताओं में से, जिनमें 85 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति और दिव्यांगजन शामिल हैं, 498 मतदाताओं (96.88%) ने घरेलू मतदान के पहले दिन वैकल्पिक घरेलू मतदान सुविधा का लाभ उठाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनावी प्रक्रिया को समावेशी बनाना कोई आसान काम नहीं था क्योंकि एक मतदान दल ने एक बुजुर्ग मतदाता को घर पर मतदान की सुविधा प्रदान करने के लिए सांबा के पडल गांव तक पहुंचने के लिए बस से 25 किमी और पैदल 7 किमी की यात्रा की।

इसी प्रकार, मतदान दलों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे सीमावर्ती गांवों का भी दौरा किया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि भारत के चुनाव आयोग का मतलब व्यवसाय है और कोई भी बाधा इसे चीजों को व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने से नहीं रोक सकती है।

सब कुछ कहा और किया गया, घरेलू मतदान विकल्प की शुरूआत लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समावेशिता और मजबूती को बढ़ाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम का प्रतिनिधित्व करती है। वृद्ध और अशक्त मतदाताओं को अपने घर से आराम से मतदान करने की अनुमति देकर, लोकतंत्र चुनावी भागीदारी में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि कर सकता है, उन लोगों को समायोजित कर सकता है जिन्हें अन्यथा मतदान में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, और मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांत को रेखांकित करता है कि हर वोट मायने रखता है।

सड़कों पर कैसे थमे अराजकता

आर.के. सिन्हा

यकीन मानिए कि किसी देश और वहां के लोगों को जानने के लिए आपको कोई बहुत घुमक्कड़ी करने की जरूरत नहीं है। आप जिस देश के समाज को जानना चाहते हैं, उसके एयरपोर्ट से उतरने के बाद वहां की सड़कों में चल रहे यातायात को देख भर लें। आपको सब कुछ पता चल जाएगा कि वहां का समाज कितना अनुशासन प्रिय है या अराजकता में कितना यकीन करता है। राजधानी दिल्ली की सड़कों से गुजरते हुए यहां पहली बार आने वाले शख्स को इतना तो पता ही चल जाता होगा कि इधर की सड़कों पर यातायात नियमों को मानना भी लोग अपनी शान के खिलाफ समझते हैं।

बेशक, राजधानी दिल्ली की सड़कों का नजारा देखकर डर लगता है। दो पहिया चलाने वाले न जाने कितने ड्राइवर दिखाई देते हैं, जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता है । बात यहीं खत्म नहीं होती। वे बेखौफ ड्राइवर भी भरपूर मात्रा में मिल जाते हैं जो अपनी मोटरसाइकिल या स्कूटी चलाते हुए लगातार मोबाइल पर बात भी कर रहे होते हैं या म्यूजिक सुन रहे होते हैं । यह बहुत साफ है कि ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने से दुर्घटना का खतरा भयंकर रूप से बढ़ जाता है। जिस इंसान को अपनी जान की ही चिंता नहीं होगी, वह यातायात के नियमों को क्यों मानेगा।

दिल्ली पुलिस की साल 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी में सड़क दुर्घटनाओं में पैदल चलने वालों के बाद दोपहिया वाहन चालक दूसरे सबसे अधिक पीड़ित हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 2022 में 539 दोपहिया वाहन चालकों की मृत्यु हुई, जो 2021 में 459 थी। ज्यादातर मामलों में, यह दोपहिया वाहन भारी वाहनों की चपेट में आए, उसके बाद चार पहिया वाहन आए। दिल्ली में पंजीकृत दोपहिया वाहनों की भारी संख्या को देखते हुए, इन सवारों की भलाई के लिए एक सुरक्षित डिजाइन प्रणाली सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हो जाता है।

दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को प्रभावित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है हेलमेट का उपयोग न करना। हालांकि हेलमेट पहनना दिल्ली में वाहन चालकों और पीछे बैठने वालों के लिए भी अनिवार्य है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने के मामले हर साल बढ़ ही रहे हैं। इस साल 15 अप्रैल तक, पुलिस ने बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाने या बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने पर 20,822 चालकों पर जुर्माना किया है। 2023 में, हेलमेट नहीं पहनने पर 572,866 लोगों पर जुर्माना किया गया, जो पिछले वर्ष 212,440 की तुलना में 250 फीसद अधिक है।

याद रख लें कि हेलमेट पहनने का तरीका भी महत्वपूर्ण। अध्ययनों से पता चला है कि दिल्ली में हेलमेट पहनने वालों में से बहुत कम लोग इसे ठीक से बांधते हैं, जिससे दुर्घटना की स्थिति में सिर की गंभीर चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। कहने की जरूरत नहीं है कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। वे ऐसे लापरवाह लोग हैं जो अपनी जान के साथ-साथ दूसरों की जान से भी खिलवाड़ करते हैं ढ्ढ उन पुलिस वालों पर भी कठोर एक्शन लेना ही होगा जो यातायात नियमों को तोड़ने वालों से घूस लेते हैं और छोड़ देते हैं । अब कोई यह न कहे कि पुलिस महकमे में घूसखोर नहीं बैठे हैं। वहां घूसखोरों की कोई कमी नहीं है। क्या यह देश भूल गया है कि सड़क हादसों में ही केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट, दिल्ली के मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा, केन्द्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे और मशहूर एक्टर जसपाल भट्टी को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था? इन हादसों में कितने लोग जीवन भर के लिए विकलांग हो जाते हैं, इसका तो कहीं से कभी कोई आंकड़ा मिल ही नहीं सकता।

बहरहाल, लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाए जाने चाहिए। गुणवत्तापूर्ण हेलमेट और सीट बेल्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। लोगों को मानक हेलमेट और सीट बेल्ट खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सड़कों की खराब स्थिति, अपर्याप्त साइनेज और पैदल चलने वालों के लिए सुविधाओं की भारी कमी जैसे मुद्दों को दूर करने की आवश्यकता है। देखिए दिल्ली का तो यहां उदाहरण दे दिया गया। यातायात नियमों की तो सारे देश में अनदेखी हो रही है। यह अफसोसजनक स्थिति है।

एक बात और कहने का मन कर रहा है ढ्ढ जब बात सड़कों के चौड़ीकरण, सौंदर्यकरण और इनके विस्तार पर होती है तो पैदलयात्री के बारे में कोई नहीं सोचता। उसकी एक वजह यह भी है कि वह समाज का सबसे बेबस व्यक्ति है। वह गरीब है। उसकी आर्थिक-सामाजिक हैसियत कमजोर है। तो क्या इसलिए वो सड़क पर तड़प-तड़प कर मरने के लिए अभिशप्त है। क्या अमीरजादे सड़कों पर पैदलयात्रियों को कुचलते रहेंगे? पैदलयात्रियों का सड़कों पर कुचला जाना और यातायात के नियमों अनदेखी का सीधा संबंध है। कारों और दूसरे वाहनों की बिक्री को तो रोका नहीं जा सकता । लेकिन, सरकार कड़े उपाय करके पैदलयात्रिओं को राहत तो दे ही सकती है। फुटपाथों को फिर से कायम तो किया ही जा सकता है । सड़कों के किनारे जहां स्कूल, अस्पताल, मंदिर, मस्जिद आदि सार्वजनिक स्थान हों वहां तो अंडरपास या फुट ओवरब्रिज बनाए ही जा सकते हैं । कम से कम स्कूल की छुट्टी के समय एक ट्रैफिक का सिपाही तो तैनात हो ही सकता है । आज तो फुटपाथों की स्थिति यह हो गई है कि वहां पुलिस हफ्ते वसूल कर बाजार लगवा रही है ढ्ढ यह हर फुटपाथ पर आप देख सकते हैं ढ्ढ

जरा सोचिए कि सड़क हादसों में मरने वालों में 50 फीसद 14-35 साल की उम्र के होते हैं। इनमें से बहुत सारे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य होते हैं। यूं तो सड़क हादसों के तमाम कारण गिनाए जा सकते हैं। पर 66 फीसद हादसों का कारण तेज रफ्तार से और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाना है। तो इस पर हर हाल में नियत्रंण करना होगा। इसके लिए तेज वाहन चलाने वालों पर कठोर दंड लगाया जाना बिल्कुल सही माना जा सकता है। इस सवाल पर कोई बहस हो ही नहीं सकती। सड़क हादसों को रोकने के लिए नागरिकों और पुलिस को समान रूप से अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। सबका सहयोग नहीं रहेगा तो मौजूदा हालात में बदलाव संभव नहीं है

(लेखक. वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मुस्लिम अपराधियों और माओवादी हिसकों से राजनीतिक सद्भाव के मायने

रमेश शर्मा

लुटेरों और अपराधी कबीलों को सेना से जोड़कर कर सत्ता तक पहुंचने का काम मध्यकाल में आक्रांताओं ने किया। लेकिन स्वतंत्रत भारत में भी एक चिंतनधारा ऐसी है जो मुस्लिम समाज में केवल अपराधियों और वनवासियों में माओवादी हिसकों के प्रति सहानुभूति या सद्भाव दिखाकर अपने राजनीतिक लाभ का आकलन करती है । ऐसी झलक किसी एक प्रांत में नहीं अपितु लगभग पूरे भारत में दिखती है ।

भारत विविधताओं से भरा देश है । यह विविधता भाव, भाषा, भूषा और भोजन में ही नहीं, लोकजीवन की परंपराओं में भी है । यह हम कश्मीर, केरल, कर्नाटक, बंगाल, उत्तर प्रदेश और सुदूर वनवासी अंचल बस्तर के समाज जीवन से समझ सकते हैं। किन्तु इस विविधता के बीच एक सूत्र है जो इन सभी प्रांतों में बिल्कुल एक जैसा दिखाई देता है, वह है माओवादी हिंसक आंतकियों और मुस्लिम समाज से संबंधित अपराधियों के अपराध की गंभीरता को कम करने लिये विषयान्तर करने संबंधी राजनीतिक वक्तव्य ।

ऐसा करने वाले कोई दर्जन भर राजनीतिक दल हैं जो इन दोनों विषयों से संबंधित घटनाओं और अपराध पर ऐसे वक्तव्य देते हैं जिनसे लोग अपराध पर नहीं अपितु राजनीति पर चर्चा करने लगते हैं । ऐसे कुछ दलों में तो आपसी राजनीतिक तालमेल भी नहीं है । पर इन दोनों विषयों पर सबकी शैली एक है, एक दूसरे के स्वर में स्वर मिलाते हैं। पता नहीं क्यों इन दलों को अपना हित अपराधियों के प्रति सद्भाव प्रदर्शित करने में क्यों दिखता है। मुस्लिम समाज में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसे वैज्ञानिक, केके मोहम्मद जैसे पुरातत्व विशेषज्ञ और अब्दुल हमीद जैसे बलिदानी भी हुए।

किन्तु इन विभूतियों के लिये वैसी लामबंदी नहीं होती जैसी माफिया डॉन मुख्तार अंसारी और शाहजहां शेख, दो मासूम बच्चों के हत्यारे साजिद, लव जिहाद में हत्या के आरोपी फैयाज और बस्तर के एनकाउंटर में मारे गये नक्सलियों के प्रति देखी गई । मुस्लिम समाज से संबंधित किसी अपराधी या माफिया डान का नाम आते ही कुछ राजनीतिक दल के नेता ऐसे वक्तव्य जारी करने लगते हैं जिनसे या तो अपराध की गंभीरता कम होती है अथवा सुरक्षा बलों की लक्ष्य मूलक कार्रवाई पर प्रश्न उठने लगते हैं ।

यदि हम अतीत में घटी असंख्य घटनाओं को छोड़ दें, जिनमें गोधरा कांड के अपराधियों को बचाने का अभियान, बटाला हाउस एनकाउंटर में मारे गये आतंकवादी के लिये किसी नेता की आंख में आंसू आने की चर्चा, पाकिस्तान प्रायोजित कश्मीर के आतंकवाद में संलग्न आतंकवादियों को भटके हुये नौजवान कहना, पालघर में साधुओं की हत्या पर राजनीति करके हत्याओं की गंभीरता को कम करना, कुख्यात आतंकवादी अफजल की बरसी मनाने और उसमें भारत के टुकड़े होने के नारे लगाने जैसी घटनाएं घटीं हैं, केवल पिछले एक माह के भीतर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में घटी कुछ घटनाओं को देखें तो भी इस तथ्य को आसानी से समझा जा सकता है ।इनमें कश्मीर की तीन टारगेट किलिंग, कर्नाटक में लव जिहाद किलिंग, केरल में लड़कियों के गायब होने और उन्हें धर्म विशेष का प्रचारक बनाने का विवरण सामने आना, बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के सामूहिक शोषण, बस्तर में नक्सलियों और बदायूं में दो मासूम बच्चों के हत्यारे के एनकाउंटर और माफिया डॉन मुख्तार की मौत पर जो राजनीतिक वक्तव्य आये, इन सबमें एक ही शैली है। जिससे अपराधियों और देश विरोधी तत्वों को राजनीतिक परदे में छिपने का अवसर मिला ।

कश्मीर में टारगेट किलिंग और वक्तव्य- अप्रैल में ही कश्मीर में टार्गेट किलिंग की तीन घटनाएं हुईं । आतंकवादियों ने 8 अप्रैल को शोपियां जिले के पदपावन में ड्राइवर परमजीत सिंह की हत्या की, 17 अप्रैल को अनंतनाग में बिहार के प्रवासी मजदूर शंकर शाह की गोली मारकर हत्या की और इसी सप्ताह राजौरी में एक सिपाही के भाई की हत्या की। कश्मीर में ऐसी हत्याओं के पीछे किसका हाथ है और कौन कर रहा है, इन हत्याओं का उद्देश्य क्या है, यह किसी से छिपा नहीं है । इसके तार सीमापार पाकिस्तान से जुड़े माने जाते हैं । ये गतिविधियां देश के सद्भाव, संविधान और मानवता के विरुद्ध तो हैं हीं ये देश विरोध की सीमा में भी आती हैं । फिर भी कश्मीर के दो प्रमुख नेताओं महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला के वक्तव्यों में हत्यारों के प्रति गुस्सा नहीं सहानुभूति की झलक दिखती है । लगता है कि वे इन अपराधों की गंभीरता से ध्यान हटाकर राजनीतिक बहस खड़ी करना चाहते हैं । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने घटना की निंदा तो की पर साथ ही भाजपा पर हमला बोला और कहा ऽइस तरह की घटनाओं का इस्तेमाल देश में मुसलमानों की छवि खराब करने के लिए किया जा रहा है । नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुला ने तो यहां तक कहा कि ऽये तब तक नहीं रुकेगा जब तक न्याय नहीं मिलता ।ऽ उन्होंने इन घटनाओं को 370 की बहाली से भी जोड़ा। कश्मीर में कौन अन्याय कर रहा है और किसको न्याय चाहिए ? कश्मीर के मूल निवासी तो कश्मीरी पंडित हैं जिन्हें तो खदेड़कर बाहर कर दिया गया । उनके घर मकान सब पर कब्जा कर लिया गया। तो अन्याय किसके साथ हुआ ? यदि भारत के लोग संसार भर के अन्य देशों में जाकर काम कर सकते हैं तो अपने देश के प्रांत कश्मीर में क्यों नहीं कर सकते ? यदि कश्मीर जाकर काम करने का प्रयास करेंगे तो गोली मार दी जायेगी ? उमर अब्दुल्ला क्यों 370 की बहाली चाहते हैं ? यदि भारतीय नागरिक अमेरिका और ब्रिटेन में जाकर बस सकते हैं और संपत्ति खरीद सकते हैं तब देश के ही प्रांत कश्मीर में क्यों नहीं ? सर्दी के दिनों में कश्मीरी नागरिक भारत के कोने-कोने में जाकर शाल बेचते हैं। उन्हें तो कोई कहीं से नहीं भगाता लेकिन कश्मीर में किसी अन्य कोई स्थान नहीं। उन्हें मार डाला जाता है और कुछ राजनेता अपराध की गंभीरता से ध्यान हटाकर घटनाओं को राजनीतिक मोड़ देने का प्रयास करते हैं।

दुनिया को समझना होगा 'माता भूमि, पुत्रोह्म पृथिव्या' का निहितार्थ

कुल भूषण उपमन्यु

आज प्लास्टिक, मिट्टी, पानी, और वायु का प्रदूषक बनता जा रहा है। जमीन पर पड़े हुए प्लास्टिक से धूप के कारण अपर्दन से टूटकर सूक्ष्म कण मिट्टी में मिल जाते हैं और मिट्टी के उपजाऊपन को नष्ट करने का काम करते हैं। पानी में मिल कर मछलियों के शरीर में पहुंच कर खाद्य श्रृंखला का भाग बन कर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बन जाते हैं। जलाए जाने पर वायु में अनेक विषैली गैसें वायु मंडल में छोड़ते हैं जिससे वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं।

प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है। उसके पास जो तकनीक है, उसमें केवल दशमलव दो (।2) प्रतिशत ही गैस उत्सर्जन होता है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पैकिंग सामग्री तैयार करना नवाचार की दूसरी चुनौती है। गांव में भी अब तो प्लास्टिक कचरे के अंबार लगते जा रहे हैं।

आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक हो कर आ रही हैं। प्लास्टिक के पुन- चक्रीकरण के लिए यह जरूरी है कि प्लास्टिक और अन्य सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र किया जाए। और कबाड़ी को दिया जाए। जो बच जाए उसे निबटाने के दुसरे सुरक्षित तकनीकी उपायों की सरकारें व्यवस्था करें। एक विचार यह भी जोर पकड़ रहा है कि जो पैदा करे वही कचरे के प्रबंधन का जिम्मेदार ठहराया जाए ताकि ये पैकिंग करके सामान बेचने वाली कंपनियां पैकिंग सामग्री एकत्रित करवा कर वापस लें, और रीसाइक्लिंग की व्यवस्था करें।

किन्तु केवल प्लास्टिक ही जलवायु परिवर्तन का कारक नहीं है। रासायनिक कृषि के कारण भी भूमि की जैविक पदार्थ धारण करने की क्षमता समाप्त हो जाति है जिससे कार्बन पदार्थ का भूमि में संचय नहीं होता दूसरा भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो जाति है। जैविक कृषि को प्रोत्साहित करके और वैज्ञानिक आधार पर विकसित करके इस समस्या से निपटा जा सकता है। भारत में इस दिशा में कुछ काम होना शुरू भी हुआ है किन्तु इसे अभी तक मुख्यधारा बनाने में सफलता नहीं मिली है। इसके लिए अधिक वैज्ञानिक शोध की जरूरत है ताकि रासायनिक विधि के बराबर ही उत्पादन करके दिखाया जाए और अन्न सुरक्षा की चुनौती पर कोई खतरा आने की चिंता न रहे।

जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र की है। हमारे देश में कुल विद्युत उत्पादन 428 गीगा वाट है। जिसमें से 71 प्रतिशत कोयले और जीवाश्म ईंधन से हो रहा है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन 168 ।96 गीगा वाट है। जिसमें से 42 गीगा वाट जल विद्युत का उत्पादन है। किन्तु जल विद्युत भी जब बड़े बांधों के माध्यम से बनाई जाती है तो जलाशयों में बाढ़ से संचित जैव पदार्थ आक्सीजन रहित सड़न द्वारा मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। मीथेन कार्बन डाई आक्साइड से छह गुणा ज्यादा वैश्विक तापमान वृद्धि का कारक है। इसलिए एक सीमा से ज्यादा जल विद्युत का प्रसार भी ठीक नहीं। सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है।

भारत वर्ष में पिछले कुछ सालों में सौर ऊर्जा उत्पादन में अच्छा काम हुआ है। भारत वर्ष में 2030 तक 500 गीगा वाट स्वच्छ उर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। आशा है इसे हम प्राप्त कर सकेंगे। किन्तु बड़े ऊर्जा पार्क बना कर स्थानीय संसाधनों पर कुछ जगहों पर ज्यादा दबाव पड़ जाता है जिससे कई समुदायों की रोजी-रोटी के संसाधन छिन जाते हैं जिसके विरुद्ध कई आवाजें उठती रहती हैं, और संघर्ष खड़े हो जाते हैं। इन जायज संघर्षों को अकसर शासन और प्रशासन स्थानीय समुदायों की कठिनाई को समझ कर समाधान करने के बजाए उनसे टकराव का रास्ता चुनती हैं और उन्हें देशविरोधी, विकास विरोधी ठहराने के अवास्तविक और अनावश्यक प्रयास करते हैं। जिससे बेगुनाह लोग अत्याचार और शोषण का शिकार हो जाते हैं और समाज में असंतोष बढ़ता है।

हमें याद रखना चाहिए कि विकास का मतलब समावेशी विकास होता है। राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक ही विकास का मुख्य लाभ पहुंचने से आय का न्यायपूर्ण बंटवारा नहीं हो सकता। अत- उत्पादन का यथा संभव विकेन्द्रित तरीका ही अपनाया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए भारत में 6 लाख के लगभग गांव हैं। यदि हर गांव में एक मैगा वाट सौर उर्जा उत्पादन घर की छतों पर और बेकार जगहों पर किया जाए तो बिना किसी एक जगह संसाधनों पर बड़ा दबाव बनाए 6 लाख मेगा वाट बिजली का उत्पादन हो सकता है ।उत्पादन के इस तरीके से लाखों लोगों को रोजगार और स्व रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं।

अत- जरूरत टकराव की नहीं बल्कि विचार आदान-प्रदान की है। कौन विचार कितना करणीय है यह अपने देश की स्थितियों के अनुरूप तकनीकों के नवाचारों को प्रोत्साहित करके देखा जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण जिस तरह की अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, ग्लेशियर पिघलने की, रेगिस्तानों में अभूतपूर्व बारिश की, समुद्री जल स्तर बढने की जो घटनाएं हो रही हैं ये दुनिया भर के लिए चेतावनी हैं। दुबई, इंडोनेशिया, और अफ़्रीकी देशों की हाल की बेमौसमी बाढ़ें, यूरोप और अमेरिकी देशों के बेमौसमी बर्फीले तूफान जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां हैं। गरीब देशों और कृषि प्रधान देशों पर इसका सबसे ज्यादा हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है। गरीब देशों में भी सबसे गरीब लोग ही ज्यादा प्रभावित हों रहे हैं। इस तरह जलवायु परिवर्तन सामाजिक न्याय के लिए भी वैश्विक स्तर पर बड़ी चुनौती बन कर खड़ा है, जिससे निपटने में देर आत्मघाती ही सिद्ध होगी।

पृथ्वी दिवस इस खतरे के प्रति सजग करने का अवसर होता है जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यही भारतीय सभ्यता का संदेश भी है जिसने माता भूमि, पुत्रोह्म पृथिव्या- कह कर मानव को भूमि का पुत्र घोषित किया है। हम मां के वात्सल्य पूर्ण आंचल की रक्षा अपने ही हित के लिए कर सकें अपनी गलतियों को सुधार कर। इस संदर्भ में अतीत के पन्नों पर झांकना जरूरी है। 1962 में राचेल कार्सन ने साइलेंट स्प्रिंग नामक पुस्तक लिखी जिसमें पर्यावरण को कीटनाशकों से हो रहे नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। कीटनाशकों की कुछ मात्रा अनाजों में आ जाती है और खाद्य श्रृंखला में दाखिल हो जाती है, जिसका दुष्प्रभाव मानवजाति के अतिरिक्त अन्य पशु- पक्षियों पर भी पड़ जाता है जिसके कारण कई पक्षी प्रजातियां लुप्त हो रही थीं, जिनके बिना वसंत का सौन्दर्य ही समाप्त हो रहा है।

पुस्तक इतनी प्रसिद्ध हुई की बेस्ट सेलर बन गई। इससे अमेरिका में पर्यावरण के प्रति जागरुकता बढ़ी। 1969 में जब दक्षिणी कैलिफोर्निया के तट पर खनिज तेल दुर्घटना हुई तो सेनेटर गेलोर्ड नेल्सन ने उस क्षेत्र का दौरा कर समुद्री जीवों की तबाही देखी जो समुद्र के पानी पर तेल के फैलने के कारण हुई थी। नेल्सन ने इस मुद्दे पर जागरुकता फैलाने के लिए टीच इन कार्यक्रम कॉलेजों में आयोजित किए। डेनिस हेस और अन्य आन्दोलनकारियों के साथ मिल कर इस जागरुकता अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर फैलाने का निश्चय किया गया। इसकी शुरुआत 22 अप्रैल 1970 को राष्ट्रव्यापी स्तर पर हुई और इस दिन को पृथ्वी दिवस का नाम दिया गया। यानी पृथ्वी के स्वास्थ्य की चिंता करने का दिन। इस कार्यक्रम को भारी जन समर्थन मिला। इससे बने दबाव के चलते ही अमेरिका में शुद्ध वायु कानून और शुद्ध जल कानून पारित हुए। इसे वर्तमान पर्यावरण आंदोलनों की शुरुआत भी माना जाता है। धीरे-धीरे पृथ्वी दिवस को वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। इस समय तक 192 देशों में पृथ्वी दिवस मनाया जाता है ताकि पृथ्वी के पर्यावरण को हो रही हानियों के प्रति जागरुकता फैले और हमारे रहन-सहन, उत्पादन पद्धतियां और कायदे कानून पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में मुड़ें। सन 2000 से पृथ्वी दिवस को जलवायु परिवर्तन की दिशा में लक्षित किया गया है। जलवायु परिवर्तन वर्तमान में पर्यावरण की मुख्य समस्या बनती जा रही है। इसकी ओर ध्यान देना जरूरी हो गया है।

स्पेनिश पैरा बैडमिंटनः तरुण ने जीता स्वर्ण, सुहास को कांस्य, पैरा शटलरों ने छह स्वर्ण समेत 22 पदक जीते

एजेंसी

जयपुर। स्पेनिश पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय पैरा शटलरों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह स्वर्ण समेत 22 पदक जीते। तरुण ने सुकांत कदम को हराकर एसएल-4 कैटेगरी का स्वर्ण जीता, जबकि विश्व चैंपियन सुहास एलवाई ने यहां कांस्य पदक जीता। उन्हें सेमीफाइनल में सुकांत के हाथों हार मिली।

एसएल-3 कैटेगरी में नितेश कुमार ने मनोज सरकार को हराकर स्वर्ण जीता, जगदेश को कांस्य पदक मिला। महिलाओं की एसएच-6 कैटेगरी का स्वर्ण नित्याश्री ने जीता। नितेश ने तुलसीमती के साथ मिलकर मिश्रित युगल की एसएल-3, एसयू-5 का स्वर्ण जीता। महिला युगल की एसएल-3, एसयू-5 कैटेगरी का स्वर्ण पलक कोहली और सेलिक ने जीता। महिलाओं की एसयू-5 कैटेगरी का स्वर्ण मनीषा रामदास ने जीता।

आईएसएल सेमीफाइनल के पहले चरण में ओडिशा एफसी से हार के बाद मोहन बागान के कोच ने 'व्यक्तिगत गलतियों' को जिम्मेदार ठहराया

भुवनेश्वर। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सेमीफाइनल के पहले चरण में ओडिशा एफसी से अपनी टीम की 2-1 से हार के बाद, मोहन बागान एफसी के मुख्य कोच एंटोनियो लोपेज हबास ने हार के लिए 'व्यक्तिगत गलतियों' को जिम्मेदार ठहराया और विश्वास व्यक्त किया कि टीम बदल जाएगी। टाई के होम लेग में स्कोरलाइन अच्छी रही। मेरिनर्स ने खेल की शानदार शुरुआत की और मनवीर सिंह ने किक-ऑफ सीटी बजने के तीन मिनट के भीतर ही विरोधी टीम के लिए ओपनर हासिल कर लिया। 11वें मिनट में कार्लोस डेलगाडो ने कलिंगा वॉरियर्स के लिए इसी अंदाज में बराबरी कर ली। फ़िज़ियन फॉरवर्ड रॉय कृष्णा ने 39वें मिनट में अपने पूर्व क्लब के खिलाफ गोल करके घरेलू टीम को बढ़त दिला दी। अरमांडो सादिकु और कार्लोस डेलगाडो को मार्चिंग ऑर्डर मिलने के बाद, दोनों टीमें दूसरे हाफ में 10 लोगों से कम हो गईं। कुछ मौके बनाने के बावजूद, मोहन बागान एसजी खेल में वापसी नहीं कर सका, जिसके परिणामस्वरूप कलिंगा वॉरियर्स को महत्वपूर्ण जीत मिली। ओडिशा एफसी दूसरे चरण में 2-1 की बढ़त ले लेगी जब दोनों टीमें इस सीजन में आखिरी बार 28 अप्रैल को कोलकाता में भिड़ेंगी। आईएसएल प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में हाबास ने कहा, 'बहुत अधिक व्यक्तिगत गलतियाँ, एक व्यक्तिगत गलती, एक और व्यक्तिगत गलती, और एक और व्यक्तिगत गलती। और इससे टीम को सामूहिक रूप से संगठित करना बहुत मुश्किल हो गया।'

मार्कस स्टोइनिस ने एमएस धोनी का विजयी मंत्र का किया खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्कस स्टोइनिस ने आईपीएल 2024 के 39वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद एमएस धोनी की सलाह का खुलासा किया। स्टोइनिस ने शतक बनाकर लखनऊ सुपरजेट्स को छह विकेट से यादगार जीत दिलाई। लखनऊ की टीम चेन्नई के किले को ध्वस्त करने में कामयाब रही, जिसने टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार सीएसके को हराया था। लखनऊ सुपरजायंट्स ने अपने सोशल मीडिया चैनलों पर एक विशेष वीडियो साझा किया जिसमें स्टोइनिस ने एमएस धोनी की सलाह के बारे में बात की। स्टोइनिस ने पांच बार के आईपीएल विजेता कप्तान एमएस धोनी द्वारा दिए गए जीत के मंत्र को याद किया। डॉनी के शब्द जो मुझे प्रभावित करते थे, वे थे, आपको स्थिति के आधार पर बदलने की ज़रूरत नहीं है। स्टोइनिस समझते हैं कि यह मानसिकता धोनी के पक्ष में कैसे काम करती है और इसीलिए वह सबसे आगे हैं। एलएसजी ने पोस्ट में लिखा, एमएस ने कहा, एमएस ने सुना, वहीं स्टोइनिस ने वीडियो में कहा, एमएस धोनी ने मुझसे ये कहा. उन्होंने कहा कि हर कोई सोचता है कि उन्हें अपने मंत्र और एकालाप करने हैं। वे रुक जाते हैं और हर कोई बदल जाता है। मार्कस स्टोइनिस ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच जिताने वाली स्ट्राइक से इतिहास रच दिया। स्टोइनिस लक्ष्य का पीछा करने में सफल रहे और आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। स्टोइनिस ने इस संस्करण में पॉल वाल्टाटी और वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गजों का जिक्र किया है। स्टोइनिस ने 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बार्टलेट 2024 सीज़न केंट में शामिल हुए

सिडनी। तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट 2024 विटैलिटी ब्लास्ट के पहले आठ मैचों के लिए केंट में शामिल हो गए हैं, क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज को काउंटी चैंपियनशिप में उनके लिए खेलने से रोक दिया था। बार्टलेट केंट के ब्लास्ट अभियान के लिए तीन विदेशी विकल्पों के रूप में साथी ऑस्ट्रेलियाई सीमर वेस एगर और दक्षिण अफ्रीकी बेयर्स स्वानपेल के साथ जुड़ेंगे, जो 31 मई को चेम्सफोर्ड में मिडलसेक्स के खिलाफ शुरू होगा। किसी भी अंतिम एकादश में उनमें से केवल दो को ही अनुमति है। मंगलवार को केंट द्वारा जारी एक बयान में, क्रिकेट निदेशक साइमन कुक ने कहा, ÷हम यह सुनिश्चित करने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ बहुत कड़ी मेहनत कर रहे हैं ।

जोकोविच रिकॉर्ड पांचवीं बार श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, स्पेन की महिला फुटबॉल टीम सर्वश्रेष्ठ टीम बनी

एजेंसी

दोहा। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच वर्ष के श्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए हैं। उन्होंने पांचवीं बार प्रतिष्ठित लॉरियस अवॉर्ड पर कब्जा जमाया है। उन्होंने स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। फेडरर को भी पांच बार वर्ष का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जा चुका है। जोकोविच जरूर श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, लेकिन आकर्षण का केंद्र पहली बार विश्व चैंपियन बनने वाली स्पेन की महिला फुटबाल टीम और उसकी स्टार फुटबालर एइटाने बोनमाती रहीं। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। समारोह के दौरान स्पेनिश

फुटबाल के तत्कालीन अध्यक्ष रुबियालेस ने स्पेन फुटबाल टीम की सदस्य जेनी हरमोसो के चुंबन ले लिया था।

नडाल को भी पुरस्कार, फाउंडेशन ने भारत में की मदद

अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोना बाइल्स को श्रेष्ठ वापसी के लिए वर्ष का खिलाड़ी चुना गया। रियल मैड्रिड के इंग्लिश फुटबालर जूड बेलिंघम को वर्ष का ब्रेकथ्रू अवॉर्ड मिला और राफेल नडाल के फाउंडेशन को खेलों में अच्छाई के लिए पुरस्कार मिला। नडाल के फाउंडेशन ने स्पेन और भारत में एक हजार कमजोर बच्चों की मदद की है।

2012 में पहली बार विजेता बने थे जोकोविच

जोकोविच ने 24 ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बीते वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीते, जबकि विंबलडन के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्कारेज के हाथों कड़े संघर्ष में हार मिली थी। जोकोविच ने इससे पहले 2012, 2015, 2016 और 2019 में यह खिताब जीता था। जोकोविच ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा कि उन्हें याद आ रहा है कि 2012 में 24 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार यह खिताब जीता था। 12 साल बाद फिर से यहां होना गर्व की बात है।

विश्व क्वालिफायर के लिए नए सिरे से ट्रायल कराएगा कुश्ती संघ, 14 श्रेणियों के लिए होना है चयन

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर में भारतीय पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन से नाराज और चिंतित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने विश्व क्वालिफायर में भारतीय टीम के चयन के लिए नए सिरे से ट्रायल कराने का फैसला किया है। बिश्केक में एशियाई चैंपियनशिप में भारत ने 18 में से चार ही कोटा हासिल किए और सभी महिला पहलवानों को मिले जिनमें विनेश फोगाट भी शामिल हैं।

अभी भी 14 श्रेणियां बची हैं और नौ मई से तुर्की में होने वाले विश्व क्वालिफायर में जीतना एशियाई क्वालिफायर की तुलना में कठिन होगा। डब्ल्यूएफआई सभी 14 श्रेणियों में ट्रायल का आयोजन करेगा। इनमें महिला वर्ग में दो (68 और 62 किग्रा), पुरुष फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन में छह-छह वर्ग शामिल हैं जिनके ट्रायल अप्रैल के आखिरी सप्ताह या मई के प्रथम सप्ताह में आयोजित किए जाएंगे।

एक सूत्र ने कहा, 'डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह ने भारतीय कोचों और चयन

समिति के सदस्यों से प्रदर्शन पर चर्चा की। उन्होंने स्वीकार किया कि यह बेहद खराब प्रदर्शन रहा। यह पहली बार हुआ है कि फ्रीस्टाइल में भी भारत को कोटे के लिए जूझना पड़ रहा है। यह तय किया गया है कि डब्ल्यूएफआई सभी 14 वर्गों में ट्रायल का आयोजन करेगा।'

भारत के सबसे सफल स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने पेशेवर सर्किट को अलविदा कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सबसे बेहतरीन पुरुष स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने पेशेवर सर्किट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है, लेकिन वह अगले कुछ समय तक बहु-खेल स्पर्धाओं वाले आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे।

एशियाई खेलों में जीते थे दो स्वर्ण पदक

पेशेवर सर्किट में 22 साल तक खेलने वाले घोषाल ने इंचियोन और हांगझू एशियाई खेलों की टीम स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में तीन पदक जीते हैं। सौरव घोषाल ने ग्लासगो में 2022 विश्व युगल चैंपियनशिप में मिक्स्ड डबल्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालकर की घोषणाः घोषाल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालकर संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैंने 22 साल पहले पीएसे विश्व टूर पर अपनी यात्रा शुरू की थी। उस समय मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इतने लंबे समय तक पेशेवर स्क्वाश खेलूंगा। जब मैंने दुनिया भर में यात्रा की और कुछ बड़े मंचों पर खेलते हुए मैंने सोचा कि यह कभी खत्म नहीं

होगा, लेकिन हर चीज का अंत होता है। यह पोस्ट लिखते समय मैं भावनाओं से भरा हुआ हूं। यह खेल इतने वर्षों से मेरा जुनून, मेरी आजीविका और मेरी पहचान रहा है, इसलिए गर्व और दुख की मिश्रित भावनाओं के साथ मैं पीसीए से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं।

शीर्ष-10 में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय हैं सौरव घोषालः कोलकाता में जन्में घोषणा दुनिया के शीर्ष-10 में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अप्रैल 2019 में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की थी और छह महीने तक उसे बनाए रखने में सफल रहे थे। घोषाल ने 2003 में पीएसए में डेब्यू करने के बाद से 18 फाइनल में पहुंचकर 10 पीएसए खिताब जीते हैं। उन्होंने पीएसए टूर पर अपने 511 मैचों में से 281 जीते हैं। घोषाल के नाम 13 राष्ट्रीय खिताब जीतने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने इसमें से आखिरी खिताब 2020 में जीता था।

हम हर मैच वैसे ही खेलेंगे, जैसा हमने गुजरात के खिलाफ खेला था : डेविड वार्नर

नई दिल्ली। अब तक आठ में से तीन मुकाबलों में जीत हासिल करने के बाद, जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2024 के बाकी मैचों में चीजों को बदलने की कोशिश करेगी। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान क्रिकेट पर विभिन्न विषयों पर विस्तार से बात की, जिसमें सीज़न में टीम का अब तक का प्रदर्शन भी शामिल था। वार्नर ने कहा,'हम वहां नहीं हैं जहां हम टीम की खातिर होना चाहते थे। हम कुछ और मैच जीतना चाहेंगे। लेकिन प्लेऑफ में जाने के लिए स्पष्ट रूप से हमें अगले सभी मैच जीतने होंगे। इसलिए हम हर मैच वैसे ही खेलेंगे, जैसे हमने गुजरात के खिलाफ खेला था।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने कहा, हमें बल्ले और गेंद दोनों से थोड़ा सुधार करना है। अगर हम विपक्षी टीम को बड़ा स्कोर करने से रोकें तो यह बहुत अच्छा होगा। और फिर अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं, तो बोर्ड पर एक बड़ा स्कोर खड़ा करने की कोशिश करेंगे। वार्नर ने आगे बताया कि दिल्ली कैपिटल्स के पास खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण है। उन्होंने कहा, लोग जिस तरह से प्रशिक्षण और तैयारी कर रहे हैं, उसमें

कोई गलती नहीं कर सकते। खेलों में कभी-कभी ऐसा होता है कि कार्यान्वयन नहीं होता है। और हम जानते हैं कि जब हम शुरुआत में विकेट लेते हैं, तो हम एक बहुत ही खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण होते हैं।

जब वार्नर से टीम के उन दो युवाओं के बारे में पूछा गया जिन्होंने इस सीज़न में उन्हें प्रभावित किया है, तो उन्होंने अभिषेक पोरेल और, जेक फ्रेजर मेकगर्क का नाम लिया। उन्होंने कहा,जेक शानदार खिलाड़ी हैं और हम सभी जानते हैं कि उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने कहा,अभिषेक पहले मैच में भी नहीं खेलने वाले थे, लेकिन हमने शुरुआती विकेट खो दिए थे और फिर एक इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में वो आये। मुझे लगता है कि उसके पास नौ गेंदें या कुछ और थीं और उसने लगभग 30 रन बनाए। इससे खेल बदल गया और फिर दूसरे मैच में भी उसने बहुत अच्छा खेला। वह एक बहुत अच्छा खिलाड़ी बनने जा रहा है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल 2024 के अपने अगले मैच में बुधवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी।

जमीनी स्तर पर गोलकीपिंग और ड्रैग-फ्लिकिंग कार्यक्रम शुरू करने के लिए हॉकी इंडिया की आभारी हूंः जसप्रीत कौर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की पूर्व महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी जसप्रीत कौर पूर्व ड्रैग-फ़्लिकरों के समूह का हिस्सा थीं, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में साई बेंगलुरु में हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर हरमन क्रूज़ के संरक्षण में गहन प्रशिक्षण लिया था। प्रशिक्षण सत्र हॉकी इंडिया की अनूठी पहल का एक हिस्सा था जिसका उद्देश्य पूरे देश में कोचिंग पद्धतियों को मानकीकृत करना और हॉकी प्रतिभा की अगली पीढ़ी का पोषण करना था।कोचिंग में एकरूपता और निरंतरता सुनिश्चित करने की दृष्टि से तैयार किए गए इस कार्यक्रम में भारत के प्रतिष्ठित पूर्व गोलकीपर एड्रियन डिसूजा, भरत छेत्री, योगिता बाली, हेलेन मैरी, दीपिका मूर्ति, आकाश चिकते, पीटी राव और प्रतिष्ठित पूर्व ड्रैग-फ़्लिकर रूपिंदर पाल सिंह, गुरजिंदर सिंह, वीआर रघुनाथ, और, जसप्रीत कौर ने हिस्सा लिया। हरमन क्रूज़ की निगरानी में, इन दिग्गजों ने अपने कोचिंग कौशल को निखारा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कोचिंग दृष्टिकोण को सुव्यवस्थित करना है, जिससे देश भर के एथलीटों को, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर, समान बुनियादी बातों और कौशल सीखने में सक्षम बनाया जा सके, जिससे प्रशिक्षण मानकों में एकरूपता को बढ़ावा मिले। प्रशिक्षण शिविर के अपने अनुभव को लेकर जसप्रीत ने मंगलवार को हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हॉकी इंडिया ने गोलकीपिंग और ड्रैग-फ्लिकिंग के लिए एक शानदार कार्यक्रम शुरू किया है क्योंकि वे कौशल के विभिन्न सेट हैं। इसके लिए एक विशेष तकनीक की आवश्यकता होती है। इसलिए, भारतीय हॉकी के दिग्गजों को बुलाया गया था। इस प्रशिक्षण में मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। हमें एथलीटों की पहचान करने और शरीर और गेंद के संयोजन, और ड्रैग-फ्लिकिंग के चरणों और प्रक्रियाओं के बारे में पैरामीटर बनाने के लिए कहा गया था। हमारी टीम ने उन मापदंडों को बनाया और एक मॉड्यूल बनाया, जो हमें संभावित ड्रैग-फ़्लिकर की पहचान करने में मदद करेगा। एक प्रशिक्षक और कोच के रूप में अपनी नई भूमिका पर पूर्व भारतीय डिफेंडर ने कहा कि वह सीख रही हैं कि एथलीटों के साथ कैसे संवाद किया जाए और उन्हें प्रगति करने के चरणों के बारे में समझाया जाए। उन्होंने कहा, कोचिंग सीखने से अलग है। किसी को पढ़ाना कठिन है। कोच के रूप में यह मेरा पहला मौका है। मैं यह भी सीख रही हूं कि युवा एथलीटों को कैसे प्रशिक्षित किया जाए। इसलिए, मैं यह भी सीख रहा हूं कि मैं कैसे संवाद कर सकती हूं और खिलाड़ियों को समझा सकती हूं। मैं एथलीटों से उन भाषाओं में बात करने चाहती हूं, जिनमें वे सहज हैं।

सीएसके के रुतुराज गायकवाड़ ने लगाया हार का दूसरा शतक, अवांछित कंपनी में हुए शामिल

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने मंगलवार को एक दुर्भाग्यपूर्ण रिकॉर्ड बनाया, क्योंकि वह विराट कोहली, संजू सैमसन और हाशिम अमला की कंपनी में शामिल हो गए, जिन्होंने हार के कारण दो या अधिक शतक बनाए हैं।

गायकवाड़ ने चेपॉक स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मैच के दौरान यह दुर्भाग्यपूर्ण रिकॉर्ड बनाया।

खेल में, गायकवाड़ ने अपना दूसरा आईपीएल शतक पूरा किया, जिसमें 63 गेंदों में 180.00 के स्ट्राइक रेट से 12 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 108* रन बनाए। आईपीएल में हार के कारण किसी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक शतक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विराट कोहली द्वारा लगाए गए हैं। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान संजू सैमसन, और पंजाब किंग्स के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला अन्य दो खिलाड़ी हैं, जिन्होंने दो शतक लगाए हैं।

गायकवाड़ सीएसके सितारों, मुरली विजय और शेन वॉटसन की विशिष्ट सूची में भी शामिल हो गए, जिन्होंने आईपीएल में फ्रेंचाइजी के लिए दो शतक बनाए हैं। सीएसके के लिए माइकल हसी, ब्रेंडन मैकुलम, सुरेश रैना और अंबाती रायडू ने एक-एक शतक लगाया है।

अंतराष्ट्रीय रेसलर रिंकू सिंह ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को कहा अलविदा, बोले- 'भारत के सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं'

एजेंसी

वाशिंगटन। डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में बड़े-बड़े विदेशी रेसलरों के छक्के छुड़ाने वाले जिले के गोपीगंज क्षेत्र के होलपुर निवासी रिंकू सिंह राजपूत 'वीर महान' का जलवा अब नहीं दिखेगा। अपनी विशिष्ट वेशभूषा और रिंग में दमदार उपस्थिति से अर्न्तराष्ट्रीय फलक भारत का झंडा बुलंद करने वाले रिंकू सिंह राजपूत ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को गुड बॉय कह दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स और फेसबुक पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। हालांकि, इसके पीछे के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पा रहा है।

माथे पर त्रिपुंड, गले में रूद्राक्ष की माला और विशिष्ट भारतीय वेशभूषा और लंबे-चौड़े डीलडौल शरीर वाले वीर महान जब डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में उतरते थे तो विदेशी रेसलरों के पसीने छुट जाते थे। भदोही जिले के गोपीगंज क्षेत्र के एक छोटे से गांव होलपुर से निकलकर अंतराष्ट्रीय फलक पर छाने वाले रिंकू सिंह राजपूत के पिता ट्रक ड्राईवर थे। शुरू से ही जिद्दी और लक्ष्य के प्रति अडिग रहने वाले रिंकू ने पहले जैवेलिन थ्रोअर के रूप में शुरूआत की।

रिंकू ने ट्वीट कर दी जानकारी

बाद में उन्होंने बेसबॉल में नाम कमाया और फिर डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में उतरते ही देश-दुनिया में छा गए। रिंग में इन्हें वीर महान के नाम से जाना जाता था। अपने पिता के बेहद करीब रिंकू सिंह राजपूत बीते साल अप्रैल माह में भदोही जिले में आए थे। उन्होंने लिखा...'बात जब भारतवासियों के मान-सम्मान पे आ जाए तो त्याग सबसे पहले। गुड बॉय डब्ल्यूडब्ल्यूई...'। रिंक सिंह राजपूत

को के इस फैसले को लेकर जब उनके परिवार से बात करने का प्रयास किया जाए तो परिजनों ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। उनके छोटे भाई राजन सिंह ने कि ये उनका फैसला है। इसके बारे में वहीं बता सकते हैं।

पिता को प्रतिदिन फोन पर देते हैं समय

रिंकू सिंह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम व भगवान शिव के भक्त और मां भगवती के उपासक हैं। रिंकू सिंह के बड़े भाई राजन सिंह बताते हैं कि वे मां के काफी करीब रहे हैं। अब भी सात समुंदर पार होने और इतना व्यस्त होने के बावजूद प्रतिदिन बाबूजी (पिता) को सुबह या शाम में जरूर समय देते हैं। फोन पर व्हाट्सएप कॉलिंग से ही बात होती है।

शुद्ध शाकाहारी हैं वीर महान

बताते हैं कि बीते वर्ष सर्दी के मौसम में घर आए थे। राजन सिंह बताते हैं कि रिंकू जहां रहते हैं अपनी पूजन की सामग्री साथ रखते हैं। प्रतिदिन समय के अनुसार पूजा करना, चंदन लगाना उनकी दिनचर्या है। भक्ति की वजह से ही उन्होंने अपनी भुजा पर राम और सीने पर मां लिखवाया है। वह शुद्ध शाकाहारी हैं।

रिंकू सिंह राजपूत का परिवार

भदोही जिले के गोपीगंज क्षेत्र में स्थित होलपुर गांव निवासी ब्रह्मदीन सिंह ट्रक ड्राइवर थे। उससे ही परिवार का खर्च चलता था। रिंकू की मां अन्तराजा सिंह का पांच नवंबर 2018 को निधन हो चुका है। ब्रह्मदीन बताते हैं कि उनकी कुल सात संतानें हैं। इसमें चार पुत्र रत्नेश सिंह उर्फ गोपाल बीएसएफ में, राजकुमार सिंह सेना में, राजन सिंह रेलवे में और रिंकू सिंह रेसलर हैं। तीन पुत्रियां कुसुम सिंह, सुसुम सिंह व रुसुम सिंह हैं। तीनों की शादी हो चुकी है। रिंकू का जन्म आठ अगस्त 1988 को हुआ। उनके पिता बताते हैं कि रिंकू की मां भगवती की भक्त थीं। वह विंध्याचल दर्शन करने गईं थी, वहीं पर रिंकू का जन्म हुआ था।

रिंकू का कैसा रहा जीवन, किस तरह से बढ़े आगे

रिंकू के पिता बताते हैं कि वह बचपन से ही खेल में रुचि रखते थे। भाई राजन के मुताबिक, आठवीं तक की पढ़ाई करने के बाद भाला फेंकने का ट्रायल दिया। उसमें सफल होने पर गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ गए। वहां से खेलते रहे और जूनियर नेशनल में गोल्ड मेडल भी जीते। 2008 में द मिलियन डॉलर आर्म नाम के रियलटी टीवी शो में हिस्सा लिया। इसमें तेज बेसबॉल फेंकने वाले खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

बेसबॉल में करियर बनाने गए थे अमेरिका

बेसबॉल के इस टैलेंट हंट शो में रिंकू को भाला फेंकने के अनुभव का लाभ मिला और मजबूत शरीर के कारण उन्होंने 140 किमी प्रति घंटे की गति से बेसबॉल फेंककर पहला स्थान हासिल किया। इसी पर एक फिल्म भी बनी। इसके बाद बेसबॉल में करियर बनाने अमेरिका गए। वहां पीटर्सबर्ग पायरेट्स से करार करने में कामयाब रहे कई लीग में हिस्सा लिए और जीते।

2018 में बेसबॉल को कहा अलविदा

रिंकू सिंह राजपूत ने जिस भी खेल में हाथ आजमाया उसमें बुलंदी तक पहुंचे। 2018 में बेसबॉल को अलविदा कहने के बाद पेशेवर रेसलिंग में करियर बनाना शुरू किया। उसी साल डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ करार किया। भारतीय रेसलर सौरव गुर्जर के साथ टीम बनाई। कुछ समय बाद इनकी टीम 'द इंडस शेर'में जिंदर महाल का भी नाम जुड़ा। पहले रिंकू अपने असली नाम से ही खेलते थे बाद में इन्होंने वीर महान नाम धारण कर लिए। इनकी टीम ने लगातार कई मुकाबले जीते। 2021 में वीर अपनी इस टीम से अलग हो गए। स्वतंत्र रेसलर के रूप में डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ करार किया। बीते दिनों उन्होने रे और डोमिनिक मिस्टिरियो की पिता-पुत्र की जोड़ी को पछाड़कर चर्चा बटोरी है।

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन, हासिल नहीं कर सके ओलंपिक कोटा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के ग्रीको रोमन पहलवानों ने एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर में निराशाजनक प्रदर्शन किया जिससे इनमें से कोई भी पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल नहीं कर सका। सुनील (87 किग्रा) ही एकमात्र भारतीय थे जो एक मुकाबला जीतने में सफल रहे वर्ना अन्य तो अपने पहले दौर में ही हारने के बाद बाहर हो गए। सुनील ने अपने पहले मैच में जापान के प्रतिद्वंद्वी सोह साकाबे को 5-1 से मात दी। लेकिन क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान के जलगासबे बर्डीमुरातोव से 2-4 से हार गए।

सुनील ने क्वार्टर फाइनल में दो बार खुद को उठाए जाने से बचाया। बल्कि कुछ समय के लिए वह मुकाबले में आगे भी चल रहे थे। लेकिन दो बार उन्हें प्रदान किए गए अंकों को वापस ले लिया गया क्योंकि उज्बेकिस्तान के शिविर ने रैफरी के फैसले को चुनौती दी और अंत में सुनील को बर्डीमुरातोव से हार मिली।अंशु (67 किग्रा) की

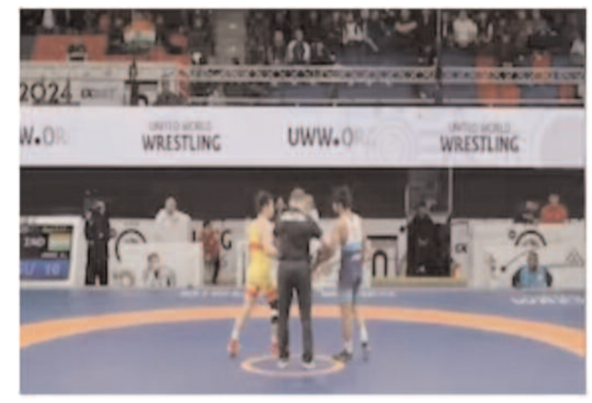

चुनौती दो मिनट से कम समय में ही समाप्त हो गई। वह उज्बेकिस्तान के अबरोर अताबाएव से क्वालीफिकेशन मुकाबला तकनीकी श्रेष्ठता से हार गए। सुमित (60 किग्रा), विकास (77 किग्रा), नीतेश (97 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) भी पहले ही दौर में हार गए।

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों ने पिछली बार ओलंपिक में 2016 में हिस्सा लिया था जब रविंदर खत्री और हरदीप सिंह रियो ओलंपिक में खेले थे। अब कोटा हासिल करने का अंतिम मौका नौ मई को तुर्की में होने वाले विश्व क्वालिफायर में मिलेगा।

प्रीमियर लीग में आर्सेनल ने चेल्सी को 5-0 से हराया, लिवरपूल से तीन अंक आगे

एजेंसी

लंदन। आर्सेनल की प्रीमियर लीग खिताब की महत्वाकांक्षाओं को भारी बढ़ावा मिला क्योंकि काई हैवर्ट और बेन व्हाइट के ब्रेसिज़ ने गनर्स को मंगलवार देर रात एमिरेट्स स्टेडियम में चेल्सी को 5-0 से हरा दिया और अंकों के शीर्ष पर दूसरे स्थान पर मौजूद लिवरपूल से तीन अंक आगे हो गए। मिलान. यह जोरदार जीत एस्टन विला और बायर्न म्यूनिख से दो हार के ठीक बाद आई है। आर्सेनल तीसरे स्थान पर मौजूद मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर सिटी से भी चार अंक आगे है। आर्सेनल ने ब्लूज़ को 1986 के बाद से लंदन डर्बी में सबसे बड़ी हार भी दी। इसने सीज़न की इस निराशा में यूईएफए यूरोपा लीग में एक स्थान सुरक्षित करने की चेल्सी की महत्वाकांक्षा में भारी सेंध लगा दी है। इससे पहले कि आर्सेनल ने दूसरे हाफ में ऑल-आउट आक्रमण शुरू किया, पहला हाफ अधिक समान रूप से मेल खाता था। हालांकि, लिएंड्रो ट्रॉसार्ड चौथे मिनट में डेक्लान राइस के पास से एक स्मार्ट विकर्ण फिनिश को बदलने में कामयाब रहे, और अभियान के अपने 10 वें गोल के साथ गनर्स को आगे कर दिया।

नाबार्ड ने जारी की जलवायु रणनीति 2030

एजेंसी
मुंबई। सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुये, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने पृथ्वी दिवस के अवसर पर अपने जलवायु रणनीति 2030 दस्तावेज़ का अनावरण किया। जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार नाबार्ड के जलवायु रणनीति 2030 दस्तावेज़ को केंद्र सरकार के इस विशाल वित्तीय प्रतिष्ठान के अध्यक्ष शाजी के वी ने जारी किया। इस व्यापक रणनीति का उद्देश्य भारत की हरित परियोजनाओं के लिये कर्ज की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करना है।

सी-डॉट और आईआईटी, जोधपुर ने किया समझौता

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के प्रमुख दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र सी-डॉट और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर ने एआई का उपयोग करके 5जी और उससे आगे के नेटवर्क में स्वचालित सेवा प्रबंधन के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर डीओटी के टेलीकॉम टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड (टीटीडीएफ) के तहत हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसे ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में किफायती ब्रॉडबैंड और मोबाइल सेवाओं को सक्षम करने के लिए प्रौद्योगिकी डिजाइन, विकास, दूरसंचार उत्पादों के व्यावसायीकरण और समाधान में कार्यरत घरेलू कंपनियों और संस्थानों को वित्त पोषण सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

चडीएफसी मैन्युफैक्चरिंग फंड लॉन्च

नई दिल्ली। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड (एचडीएफसी एमएफ) के निवेश प्रबंधक एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने एचडीएफसी मैन्युफैक्चरिंग फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां कहा कि इस ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम का उद्देश्य मुख्य रूप से मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में लगी कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी से संबंधित प्रतिभूतियों में निवेश करके भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की क्षमता को अनलॉक करना है। एचडीएफसी मैन्युफैक्चरिंग फंड के लिए एनएफओ 26 अप्रैल, 2024 को खुलेगा और 10 मई, 2024 को बंद होगा।

वर्ष 2023 की अंतिम तिमाही में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 93.61 करोड़ रही

नई दिल्ली। देश में इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या दिसम्बर 2023 के अंत में बढ़कर 93.61 करोड़ हो गई जो सितम्बर 2023 के अंत में 91.81 करोड़ थी। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने आज यहां इसको लेकर आंकड़े जारी किया। तिमाही आधार पर इंटरनेट ग्राहकों की संख्या में 1.96 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर्ज की गई। कुल 93.61 करोड़ इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 3.85 करोड़ तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 89.75 करोड़ है।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालें महंगी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि दालें 400 रुपये प्रति क्विंटल तक महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मई का पाम ऑयल वायदा दो रिंगिट फिसलकर 4076 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.11 सेंट की बढ़त के साथ 45.77 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

2024-25 में पांच साल के निचले स्तर पर आएगी खुदरा महंगाई

नई दिल्ली। खुदरा महंगाई चालू वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर पांच साल के निचले स्तर पर आ सकती है। सब्जियों की आपूर्ति और कीमतों के सामान्य रहने से खुदरा महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई 2024-25 में कम होकर 4.4 फीसदी पर आ सकती है। यह आरबीआई के 4.5 फीसदी के अनुमान से भी कम है। 2023-24 में सीपीआई महंगाई 5.4 फीसदी रही थी, जबकि 2019-20 में 4.8 फीसदी रही थी।सीएमआईई का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में आलू, प्याज व टमाटर जैसी प्रमुख सब्जियों की आपूर्ति सामान्य रहेगी।?कीमतों में भी बड़े उतार-चढ़ाव के संकेत नहीं दिख रहे हैं। इससे खुदरा महंगाई 2024-25 में घटकर आरबीआई के चार फीसदी के लक्ष्य के और करीब पहुंच जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के सवाल के बाद भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि ने फिर छपवाई माफी, पिछली बार से बड़ा आकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से भ्रामक विज्ञापन मामले में सवाल पूछे जाने के बाद बुधवार को पतंजलि ने एक बार फिर अखबार में माफी छपवाई है। इस बार इसका आकार भी पहले से ज्यादा बड़ा है। गौरतलब है कि पतंजलि ने एक दिन पहले भी ऐसा ही एक माफीनामा छपवाया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जानकारी मांगते हुए पतंजलि से पूछा था कि क्या उसकी माफी उसके विज्ञापनों जितनी बड़ी है।

रामदेव और उनके साथी बालकृष्ण की तरफ से अखबार में छपवाई गई माफी का आकार एक अखबार के पन्ने का लगभग तीन-चौथाई है। इसमें बड़े-बड़े अक्षरों में बिना शर्त के माफी% (ठुष्पठ्ठस्त्रद्वह्लद्बश्चठ्ठड्ढद्य.श्चश्चद्यश्चद्द4) लिखा है। साथ ही इसमें माफी मांगते हुए कहा गया, ÷भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय (रिट याचिका सं. 645/2022) के संदर्भ में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों/आदेशों का पालन न करने अथवा अवज्ञा के लिए हम वैयक्तिक रूप से, साथ ही कंपनी की ओर से बिना शर्त क्षमायाची हैं।

हम विगत 22.11.2023 को बैठक / संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने के लिए भी क्षमाप्रार्थी हैं। हम अपने विज्ञापनों के प्रकाशन में हुई गलती के लिए भी ईमानदारी से क्षमा चाहते हैं और पूरे मन से प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं कि ऐसी त्रुटियों की पुनरावृति नहीं होगी। हम पूरी सावधानी और अत्यंत निष्ठा के साथ माननीय न्यायालय के निर्देशों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम न्यायालय की महिमा का सम्मान बनाए रखने और लागू कानूनों एवं माननीय न्यायालय / संबंधित अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने का वचन देते हैं।' इस माफी के अंत में पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के साथ आचार्य बालकृष्ण, स्वामी रामदेव का नाम भी दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने उठाए थे सवाल

गौरतलब है कि एक दिन पहले ही रामदेव और बालकृष्ण सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश हुए थे। उनकी ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने पीठ से कहा था कि वे अपनी गलतियों के लिए बिना शर्त माफी मांगते हुए अतिरिक्त विज्ञापन भी जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने सोमवार को देश भर के 67 समाचार पत्रों में माफीनामा प्रकाशित कराया है।

इस पर जज जस्टिस हिमा कोहली ने पूछा, 'क्या माफी आपके विज्ञापनों के आकार के बराबर मांगी गई है?' इस पर रोहतगी ने कहा कि माफी 67 अखबारों में प्रकाशित हुई थी। इसकी लागत दसियों लाख है। वहीं, न्यायमूर्ति कोहली ने कहा कि हम सोच रहे हैं कि क्या आपके द्वारा प्रकाशित पूरे पृष्ठ के विज्ञापनों के लिए लाखों रुपये खर्च होते हैं?

नीलामी प्रक्रिया से जारी रहेगा स्पेक्ट्रम आवंटन, केवल सीमित मामलों में प्रशासनिक आवंटन

एजेंसी
नई दिल्ली। स्पेक्ट्रम मामले में स्पष्टीकरण के लिए उच्चतम न्यायालय में विभिन्न मुकदमे लंबित हैं। इस बीच, सूत्रों ने जानकारी दी कि मोबाइल सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन नीलामी प्रक्रिया के जरिए जारी रहेगा। जैसाकि संसद द्वारा विधिवत पारित दूरसंचार अधिनियम 2023 में अधिनियम किया गया है। उन्होंने कहा कि केवल सीमित और संकीर्ण रूप से परिभाषित मामलों में ही प्रशासनिक आधार पर स्पेक्ट्रम प्रदान किया जाता है।

इन चुनिंदा मामलों में पुलिस संगठनों के लिए वॉकी-टॉकी, मौसम पूर्वानुमान के लिए रडार, जहाजों के लिए रड़ार और संचार और अंतरिक्ष और उपग्रह अनुप्रयोगों के लिए संचार, सेना, वायु सेना और नौसेना के लिए संचार और रडार और बीएसएनएल जैसे सार्वजनिक सेवा की इकाईयां हैं।

एक सूत्र ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय में आवेदन मुख्य रूप से स्पष्टीकरण के लिए हैं। संसद में दूरसंचार विधेयक पेश करने से पहले उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए आवेदन उच्चतम न्यायालय में दायर किया गया। उन्होंने कहा कि आवेदन में शीर्ष अदालत के फैसले को पदलने के लिए नहीं कहा गया है।

कारोबारी गतिविधियां अप्रैल में 14 साल के शीर्ष पर, नौकरियों में वृद्धि को मिला समर्थन

एजेंसी
नई दिल्ली। मजबूत मांग के कारण देश की कारोबारी गतिविधियां अप्रैल में लगभग 14 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह मजबूत आर्थिक विकास का संकेत है। एचएसबीसी का खरीद प्रबंधक सूचकांक यानी पीएमआई अप्रैल में बढ़कर 62.2 हो गया। मार्च में यह 61.8 पर था।

पीएमआई से पता चलता है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में विस्तार का संकेत है। महंगाई में कमी के बावजूद रेपो दर में कटौती में देरी हो सकती है क्योंकि महंगाई में आगे बहुत गिरावट की संभावना नहीं है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि पिछली कुछ तिमाहियों में मजबूत विस्तार के बाद इस साल भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए अच्छी स्थिति में है। अगस्त 2021 से पीएमआई 50 से ऊपर रहा है। 50 से ऊपर का मतलब कारोबारी गतिविधियों में तेजी और इससे कम का मतलब कमजोरी है।

एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी से विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन दिखा है।

नौकरियों में वृद्धि को मिला समर्थनःबढ़ती मांग को पूरा करने के प्रयासों से नौकरियों में वृद्धि को समर्थन मिला, जो विनिर्माण क्षेत्र में सबसे अधिक था। यह डेढ़ साल में सबसे तेज गति से बढ़ी। हालांकि मांग की मजबूती से खर्चों का भार ग्राहकों पर डाल दिया गया। सर्वे के अनुसार, महंगाई इतनी तेजी से नहीं गिर सकती कि आरबीआई किसी भी समय दर में कटौती पर विचार करना शुरू कर दे।

गर्मी में चुनावों के कारण इस साल चीनी की रिकॉर्ड खपत, गन्ना किसानों को समय पर मिल सकता है भुगतान

एजेंसी
नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बीच हो रहे लोकसभा चुनावों की वजह से देश में इस साल चीनी की खपत बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। अधिक खपत से न सिर्फ चीनी उत्पादक कंपनियों का मार्जिन बढ़ेगा बल्कि गन्ना किसानों को समय पर भुगतान करने में मदद मिलेगी। हालांकि, चीनी की मांग बढ़ने से घरेलू बाजार में इसकी कीमतें बढ़ सकती हैं। नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लि. के प्रबंध निदेशक प्रकाश नाइकनवरे ने कहा, गर्मी के बीच हो रहे लोकसभा चुनावों की वजह से चीनी की मांग में असामान्य वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे इस साल चीनी की कुल खपत बढ़कर रिकॉर्ड 2.9 करोड़ टन पहुंच सकती है। 30 सितंबर को समाप्त विपणन वर्ष 2022-23 में कुल खपत 2.78 करोड़ टन रही थी।

रैलियों के कारण मांग औसत से ज्यादा

बलरामपुर चीनी मिल्स की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सरावगी ने कहा, देश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया है। इस बीच हो रही सियासी रैलियों में लाखों की भीड़ जुटने से आइसक्रीम और शीतल पेय की खपत बढ़ गई है, जिससे चीनी की मांग औसत से ज्यादा है।

75 लाख टन खपत का अनुमानःमुंबई स्थित एक डीलर ने बताया, मार्च के मध्य से जून तक गर्मी के महीनों में कोल्ड ड्रिंक और आइसक्रीम की मांग बढ़ जाती है। इससे देश में अप्रैल-जून के दौरान चीनी की खपत बढ़कर 75 लाख टन पहुंच सकती है। यह सालाना आधार पर 5 फीसदी ज्यादा है।

बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक जैन ने कहा, सरकार ने पिछले साल की तुलना में अप्रैल के लिए अधिक कोटा आवंटित किया है। लेकिन, थोक उपभोक्ताओं की मजबूत मांग से एक पखवाड़े में चीनी के दाम करीब तीन फीसदी बढ़ गए हैं।

सोने की कीमतों में 1450 रुपये की राहत, चांदी भी 2300 रुपये सस्ती हुई

नई दिल्ली।कारोबारियों की ओर से की गई मुनाफावसूली और कमजोर वैश्विक रुख के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का भाव मंगलवार को 1,450 रुपये की गिरावट के साथ 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इस दौरान चांदी की कीमत में भी 2,300 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई।

एचडीएफसी सिक्युरिटीज के अनुसार, दिल्ली में सोने का भाव 1,450 रुपये की गिरावट के साथ 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले सत्र में सोना 73,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी की कीमत 2,300 रुपए टूटकर 83,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में यह 85,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत में 1,450 रुपये की गिरावट आई और इसमें 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार चल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव 55 डॉलर की गिरावट के साथ 2,310 डॉलर प्रति औंस रह गया। मध्य पूर्व में तनाव कम होने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लंबे समय तक दरों को ऊंचा रखने के संकेतों के बीच मंगलवार को सोने की कीमतों में और गिरावट आई।

गांधी ने कहा कि व्यापारियों ने भी अपने धन प्रवाह को सुरक्षित निवेश से जोखिम वाली संपत्तियों में स्थानांतरित कर दिया, जिससे हाल की तेजी के बाद कीमती धातुओं में मुनाफावसूली दिखी। ग्लोबल मार्केट में भी चांदी की कीमत गिरावट के साथ 26.80 डॉलर प्रति औंस रह गई। पिछले सत्र में यह 27.95 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी।

कर्नाटक, गुजरात स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के मामले में अव्वल, यूपी और बिहार की यह सच्चाई आई सामने

एजेंसी
नई दिल्ली। देश में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने के मामले में कर्नाटक और गुजरात सबसे अव्वल रहे हैं, यह दावा आईईईएफए व एम्बर की एक संयुक्त रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के बारे में कहा गया है कि उन्हें क्लीन एनर्जी अपनाना के मामले में अपनी कोशिशें बढ़ाने की जरूरत है। शोध संगठन इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) और स्वच्छ ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की संयुक्त रिपोर्ट में मंगलवार को यह बात कही गई। रिपोर्ट के लेखकों ने कहा कि कर्नाटक और गुजरात ने सभी आयामों में अपना मजबूत

प्रदर्शन जारी रखा है। इन राज्यों ने अपने बिजली क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रभावी ढंग से जोड़ा है, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम करने में मजबूत प्रगति हुई है। दूसरी ओर झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को सुधार की जरूरत है। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में जारी हुई है जब भारत के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी की लहर चल रही है। इसके कारण बिजली मंत्रालय 260 गीगावाट की अनुमानित अधिकतम बिजली मांग की तैयारी कर रहा है।

डीजीसीए का निर्देश- विमान में 12 साल तक के बच्चों को माता-पिता के साथ सीट दी जाए

एजेंसी
नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाया है। विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन कंपनियों को उड़ान के दौरान 12 साल तक के बच्चों को उनके माता-पिता या अभिभावकों के साथ सीट आवंटित करने का निर्देश दिया है।

डीजीसीए ने मंगलवार को जारी एक बयान में एयरलाइंस कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि 12 वर्ष तक के बच्चों को एक ही पीएनआर पर यात्रा कर रहे उनके माता-पिता या अभिभावकों में कम

से कम एक के साथ उनकी सीट आवंटित की जाए। इसके साथ ही इसका रिकॉर्ड भी रखा जाए। विमानन नियामक ने यह निर्देश बीते दिनों ऐसे कई मामले सामने आने के बाद जारी किए हैं। यह निर्देश ऐसे मामलों की पृष्ठभूमि में आया है। अब डीजीसीए की ओर से 2024 में जारी एयर ट्रांसपोर्ट सर्कुलर (एटीसी)-01 के मुताबिक 12 साल से कम उम्र के बच्चे को हवाई सफ़र के दौरान उसके अभिवावकों के पास वाली सीट उपलब्ध हो सकेगी। खास बात ये है कि इसके लिए यात्री को कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं देना होगा। अगर अभिभावक ने अपने लिए फ्री सीट या ऑटो एलोकेशन का ऑप्शन चुना है तो बगल की सीट बच्चे के लिए अरेंज करना होगा।

'मजबूत घरेलू मांग भारत की विकास दर को सहारा दे रही', मॉर्गन स्टैनली का महंगाई पर यह अनुमान

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू मांग से मिल रहे समर्थन को देखते हुए मॉर्गन स्टैनली भारत की मजबूत वृद्धि दर के प्रति आश्वस्त है। वैश्विक निवेश बैंकिंग फर्म ने कहा कि यह भारतीय विकास के दृष्टिकोण पर रचनात्मक बना हुआ है। मॉर्गन स्टैनली का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि 6.8 प्रतिशत और 2025-26 में 6.5 प्रतिशत रहेगी।

फर्म के अनुसार देश में खुदरा महंगाई को नियंत्रण में रखने के लिए उठाए गए कदमों का लाभ मिलेगा। एजेंसी ने अनुमान जताया है कि 2024 की दूसरी तिमाही में खुदरा महंगाई दर पांच प्रतिशत के आसपास बनी रहेगी। वहीं साल की दूसरी छमाही यह कम होकर सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत पर पहुंच सकती है। एजेंसी को उम्मीद है अगले वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहेगी।

एजेंसी के अनुसार, देश का चालू खाता घाटा भी स्थिर रह सकता है। सेवा क्षेत्र में निर्यात बढ़ने से इसमें मदद मिलेगी। मॉर्गन स्टैनली के अनुसार 2025-26 में चालू खाता घाटा जीडीपी के 1-1.5 प्रतिशत के दायरे में रह सकता है जो कि नीति निर्माताओं के लिए राहत वाला स्तर होगा। मौद्रिक नीति पर मॉर्गन स्टैनली ने उम्मीद जताई है कि नीतिगत दरें इस समय 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रहेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा वैश्विक मोर्चे पर फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों की कटौती में देरी करने, उत्पादकता वृद्धि में सुधार होने, बढ़ती निवेश दर और घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर रहने के कारण है।

मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के सदस्यों के लिए मुख्य चिंता बनी हुई है। एमपीसी ब्याज दरों में किसी भी कटौती के लिए आगे बढ़ने और अपना रुख ढीला करने से पहले महंगाई के मोर्चे पर आश्वस्त होना चाहती है। भारत की अर्थव्यवस्था 2022-23 में क्रमशः 7.2 प्रतिशत और 2021-22 में 8.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी। दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (त्नष्ठक्क) में 2023-24 में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका कारण घरेलू मांग में आया उछाल रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार, भारत 2024 में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा।

भारत ने सिंगापुर, हांगकांग से मसाला विवाद पर जानकारी मांगी, दूतावासों को रिपोर्ट भेजने का निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। दुनिया में मसालों के सबसे बड़े उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक भारत ने सिंगापुर और हांगकांग के खाद्य सुरक्षा नियामकों से दो भारतीय कंपनियों के मसाला उत्पादों से जुड़े विवाद पर संबंधित ब्योरा मांगा है। सरकार ने दोनों देशों में मौजूद दूतावासों को इस मामले में रिपोर्ट भेजने को कहा है।सिंगापुर और हांगकांग ने हाल ही में गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के कारण एमडीएच और एवरेस्ट कंपनियों के कुछ मसाला उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने इन दोनों देशों में मौजूद भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक विस्तृत रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया है।

मंत्रालय ने प्रतिबंध के लपेटे में आने वाली दोनों कंपनियों- एमडीएच और एवरेस्ट से भी विवरण मांगा है। उनके उत्पादों में कथित तौर पर मान्य सीमा से अधिक कीटनाशक 'एथिलीन ऑक्साइड' होने के कारण प्रतिबंध लगाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, ÷कंपनियों से विवरण मांगा गया है। भारतीय मसाला उत्पादों को नकारे जाने के मूल कारण का निदान किया जाएगा और संबंधित निर्यातकों के साथ मिलकर उसका समाधान किया जाएगा।

अधिकारी ने कहा कि सिंगापुर और हांगकांग स्थित दूतावासों से इस संबंध में तकनीकी विवरण, विश्लेषणात्मक रिपोर्ट और निर्यातकों के बारे में ब्योरा मांगा गया है। इसके अलावा सिंगापुर के खाद्य सुरक्षा निकाय और हांगकांग के खाद्य एवं पर्यावरण स्वच्छता विभाग से भी विवरण मांगा गया है। निर्यातित मसाला उत्पादों में एथिलीन ऑक्साइड के अनिवार्य परीक्षण के मुद्दे पर चर्चा के लिए एक उद्योग परामर्श का कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया है।

इस बीच, भारतीय मसाला बोर्ड एमडीएच और एवरेस्ट के चार मसाला-मिश्रण उत्पादों की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध पर विचार कर रहा है। हांगकांग के खाद्य सुरक्षा नियामक ने उपभोक्ताओं से इन उत्पादों को न खरीदने और व्यापारियों से बिक्री न करने को कहा है जबकि सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने उत्पादों को वापस लेने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट ने सरकारी बैंकों पर दिया बड़ा आदेश, कर्ज न चुकाने वालों के खिलाफ जारी एलओसी हो जाएंगे रद्द

एजेंसी
नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक क्षेत्र (पीएसयू) बैंकों के पास डिफॉल्टर कर्जदारों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करने की कानूनी शक्ति नहीं है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद ऐसे बैंकों की ओर से डिफॉल्टरों के खिलाफ जारी सभी एलओसी रद्द हो जाएंगे। जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस माधव जामदार की खंडपीठ ने केंद्र सरकार की ओर से जारी मेमोरेंडम के उस हिस्से को असांविधानिक करार दिया, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अध्यक्षों को डिफॉल्टर के खिलाफ एलओसी जारी करने का अधिकार दिया गया था। केंद्र सरकार के वकील आदित्य ठक्कर ने हाईकोर्ट से अपने आदेश पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन पीठ ने इन्कार कर दिया। पीठ ने कहा, भले ही केंद्र का मेमोरेंडम संविधान के दायरे से बाहर नहीं था, पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के अध्यक्ष को एलओसी जारी करने का अधिकार देने वाला हिस्सा मनमाना और बिना कानूनी शक्ति वाला है।

2018 में मिला था अधिकार : केंद्र सरकार ने 2018 में एक संशोधन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को देश के आर्थिक हित में एलओसी जारी करने का अधिकार दिया था। अगर किसी व्यक्ति के देश छोड़ने से आर्थिक हित को खतरा होता है, तो यह उसे विदेश यात्रा करने से रोकता है।

अब एलओसी पर कार्रवाई नहीं करेगाः पीठ ने कहा, आव्रजन ब्यूरो डिफॉल्टरों के खिलाफ बैंकों द्वारा जारी एलओसी पर कार्रवाई नहीं करेगा। कोर्ट ने यह भी कहा, उसके फैसले से किसी भी डिफॉल्टर के खिलाफ ट्रिब्यूनल या आपराधिक अदालत की ओर से विदेश यात्रा पर रोक लगाने के आदेश पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

आरती सिंह

ने हल्दी सेरेमनी में दिल खोलकर किया डांस, होने वाले पति दीपक की बाहों में खिंचवाईं तस्वीरें

मायका सीरियल से घर-घर में मशहूर हुईं टीवी एक्ट्रेस आरती सिंह बस दो दिन में अपने साजन की हो जाएंगी। 39 साल की उम्र में अदाकारा बिजनेसमैन दीपक चौहान से शादी करने जा रही हैं, जिनसे वह सिर्फ एक साल पहले ही मिली थीं। आरती सिंह और दीपक चौहान अपनी शादी को लेकर लाइमलाइट में बने हुए हैं। कृष्णा अभिषेकभी अपनी बहन की शादी की रौनक बढ़ाने में पीछे नहीं हट रहे हैं। शानदार ब्राइडल शॉवर के बाद अब आरती की शादी की रस्में भी शुरू हो गई हैं।

आरती सिंह की हल्दी की तस्वीरें

आरती सिंह की शादी की रस्में हल्दी सेरेमनी से शुरू हुई हैं। शादी से पहले एक्ट्रेस ने अपने होने वाले पति दीपक के साथ हल्दी फंक्शन का लुत्फ उठाया। आरती ने 23 अप्रैल को इंस्टाग्राम अकाउंट पर सोलो और दूल्हेराजा के साथ हल्दी की तस्वीरें भी शेयर की हैं।

एक फोटो सीरीज में होने वाली दुल्हन आरती सिंह खुश होकर पोज दे रही हैं। एक फोटो में वह अपना लहंगा लहरा रही हैं और दूसरे में वह हल्दी से सराबोर दिख रही हैं। इस फंक्शन के लिए दुल्हन ने फ्लोरल लहंगा के साथ पिंक कलर की चोली कैरी की थी। फूलों की ज्वेलरी, ईयररिंग्स और घुंघराले बाल में आरती गजब ढहा रही थीं।

दूल्हेराजा संग रोमांटिक हुईं आरती सिंह

एक और फोटो सीरीज में आरती सिंह अपने होने वाले पति दीपक चौहान की बाहों में रोमांटिक पोज दे रही हैं। एक फोटो में दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया है, जबकि दूसरे में दोनों एक-दूसरे की आंखों में डूबे हुए हैं। दीपक ने हल्दी में पिंक और ऑरेंज कढ़ाई वाला ऑफ-व्हाइट कुर्ता-पायजामा पहना था। इन तस्वीरों के साथ दुल्हन ने लिखा, रंग रंग में रंग में, रंग जाएंगे संग।

हल्दी में खूब झूमीं आरती

आरती सिंह ने अपनी हल्दी को फुल ऑन एन्जॉय किया है। इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक्ट्रेस ने कई वीडियोज रीशेयर किए हैं, जिसमें वह खुलकर डांस करती हुई नजर आ रही हैं।

शाहिद कपूर

और मीरा राजपूत के डिनर डेट में पैपराजी ने रंग में डाला भंग, बौखला उठे अश्वत्थामा

शाहिद कपूर अपनी फिल्मों को लेकर इस वक्त चर्चा में बने हुए हैं। उनकी लास्ट रिलीज फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस किया। इस फिल्म में उनकी जोड़ी पहली बार कृति सेनन के साथ बनी ।इस रॉम-कॉम के बाद अब वह अपनी अगली फिल्म अश्वत्थामा द सागा कंटीन्यू की तैयारी कर रहे हैं, जिसका निर्देशन सचिन रवि करेंगे। फिल्मों के अलावा शाहिद कपूर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं ।हाल ही में कबीर सिंह एक्टर की एक वीडियो तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह एकदम एंग्री यंग मैन बनकर पैपराजी पर भड़कते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पैपराजी पर क्यों फूटा शाहिद कपूर का गुस्सा

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत बॉलीवुड के बेस्ट कपल्स में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में जब भी कहीं डिनर या घूमने के लिए निकलते हैं, तो खुशी-खुशी पैपराजी को पोज देते हैं। हालांकि, इस बार इसके बिल्कुल ही विपरीत कुछ देखने को मिला। हाल ही में इंस्टाग्राम पेज फिल्मज्ञान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शाहिद कपूर का एक वीडियो शेयर किया ।इस वीडियो में शाहिद कपूर और मीरा राजपूत डिनर कर रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हैं कि तभी पैपराजी उन्हें अपने कैमरे में कैप्चर करने लगता है। गुस्से में शाहिद कपूर पैपराजी को कहते हैं कि क्या आप इसे बंद करेंगे। इस बात को शाहिद ने दो से तीन बार रिपीट किया, जब पैपराजी नहीं मानी तो कबीर सिंह एक्टर गुस्से में कार में जाकर बैठ गए।

सोशल मीडिया यूजर्स ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

शाहिद कपूर की ये वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी। जिस पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए एक यूजर ने लिखा, इतना घमंड किस बात का है। दूसरे यूजर ने लिखा,आप और अपने ट्रेवल प्लान शेयर करो इनसे।

अन्य यूजर ने लिखा, शाहिद का गुस्सा बिल्कुल सही है, क्योंकि पैपराजी इनकी निजी जिंदगी में बहुत ज्यादा घुसता है। ऐसी हरकत पर किसी को भी गुस्सा आएगा, खुद भी जरा सोच के देखो। आपको बता दें कि बीते हफ्ते शाहिद कपूर के ट्रैवल प्लान की एक लिस्ट इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थी।

'छावा' के सेट से लीक हुआ विक्की कौशल का लुक, इस दिन रिलीज होगी फिल्म

विक्की कौशल डायरेक्टर्स की पहली पसंद बने हुए हैं. इस वक्त उनके खाते में कई बड़ी फिल्में है. फिलहाल वो पीरियड ड्रामा फिल्म 'छावा' की शूटिंग कर रहे हैं. इस फिल्म के लिए वो काफी ट्रेनिंग भी ले रहे हैं. उनका मैसिव फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन देखकर हर कोई शॉक्ड है. पिक्चर में विक्की कौशल छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र और योद्धा छत्रपति संभाजी राजे का रोल प्ले कर रहे हैं. बीते दिनों पता लगा था कि, फिल्म के लिए वो तलवार बाजी और घुड़सवारी भी सीख रहे हैं. खैर, इसी बीच उनका सेट से लुक लीक हो गया.लंबे-लंबे बाल और दाढ़ी, माथे पर तिलक, गले में मालाज् विक्की कौशल के इस दमदार अंदाज ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं. घने जंगल वाले एरिया में वो नजर आ रहे हैं. वहीं फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी बहुत बड़ा अपडेट आ गया है.

विक्की का छावा से लुक लीक हो गया

विक्की कौशल के खाते में जो-जो फिल्में हैं, उसमें Bad Ne25, 'लव एंड वॉर', एक तृप्ति डिमरी के साथ फिल्म और 'छावा' शामिल है. लंबे वक्त से वो फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं. इस हिस्टॉरिकल फिल्म को लक्ष्मण उतेकर डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं विक्की कौशल छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म के लिए खूब मेहनत कर रहे हैं. तीरंदाजी, घुड़सवारी और तलवारबाजी के अलावा वो फिल्म के लिए बोलने की ट्रेनिंग भी ले चुके हैं.

विक्की कौशल का 'छावा' के सेट से लुक लीक हो गया है. इससे पहले विक्की कौशल का ऐसा अंदाज देखने को नहीं मिला. जिसके चलते फैन्स की खुशी का ठिकाना न रहा. इन वायरल तस्वीरों को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि, ये फिल्म ब्लॉकबस्टर होने वाली है. जबकि, दूसरा यूजर लिखता है- इस साल ये फिल्म बहुत धमाल मचाने वाली है. साथ ही ऐसा कहा जा रहा है कि, विक्की कौशल की फिल्म इसी साल 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली है.कुछ दिनों पहले पीपींग मून की रिपोर्ट सामने आई थी. इसके मुताबिक, फिल्म पूरी तरह से संभाजी महाराज के किरदार पर नहीं होगी. उनकी पत्नी येसुबाई भोसले का भी अहम रोल होने वाला है. फिल्म में रश्मिका मंदाना इस किरदार को निभा रही हैं.

YRF यूनिवर्स की तरह छोटे पर्दे पर भी शुरू हुआ ये ट्रेंड, अब टीवी लेकर आ रहा है एक नया यूनिवर्स

अब तक हमने रोहित शेट्टी के 'कॉप यूनिवर्स' की सिंघम, सिंबा और सूर्यवंशी जैसी फिल्मों को थिएटर में देखा है. रोहित की कॉप यूनिवर्स के बाद यशराज फिल्म्स की तरफ से भी स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत की गई है. पठान से लेकर टाइगर और वॉर तक कई बड़ी फिल्में इस यूनिवर्स में शामिल हैं. हालांकि अब 'यूनिवर्स' के तहत बनने वाली ये सीरीज सिर्फ बड़े पर्दे तक सीमित नहीं है. टीवी के 'शोमैन' सिद्धार्थ कुमार तिवारी ने अपने टीवी शो 'शिव-शक्ति' के बाद 'लक्ष्मी-नारायण' को ऑन एयर करते हुए छोटे पर्दे पर 'माइथो यूनिवर्स' की शुरुआत की है. आपको बता दें, टीवी के इतिहास में पहली बार ये अनोखा प्रयोग किया जा रहा है.

क्या है 'माइथो यूनिवर्स'?

'माइथो यूनिवर्स' के तहत स्वास्तिक प्रोडक्शन के सिद्धार्थ कुमार तिवारी 'शिव-शक्ति' के कलाकारों के साथ नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं. इस नए अध्याय में 'लक्ष्मी-नारायण' की कहानी सुनाई जाएगी. यानी 'शिव-शक्ति' में भगवान विष्णु का किरदार निभाने वाले श्रीकांत द्विवेदी सीरियल 'लक्ष्मी-नारायण' में प्रमुख भूमिका में नजर आने वाले हैं. हालांकि लक्ष्मी की भूमिका के लिए प्रोडक्शन ने 'सीता' के किरदार से मशहूर हुईं एक्ट्रेस शिव्या पठानिया की कास्टिंग की है. शिव्या के अलावा इस सीरियल में वही किरदार नजर आएंगे, जो सीरियल 'शिव-शक्ति' में नजर आ रहे हैं. अगर ये प्रयोग सफल होता है तो सिद्धार्थ कुमार तिवारी के इस यूनिवर्स में कई नए सीरियल देखने को मिल सकते हैं.

सिद्धार्थ कुमार तिवारी

टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की एक्सक्लूसिव बातचीत में सिद्धार्थ कुमार तिवारी ने बताया, शिव-शक्ति को मिले प्यार को देखने के बाद हम ने ये फैसला लिया कि इस कहानी को अलग शो के माध्यम से आगे बढ़ाया जाए. लोग पहले से ही इन किरदारों के साथ जुड़े हुए हैं. अब उन्हें कुछ और समय के लिए उनकी पसंदीदा कहानियां देखने को मिलेंगी.

राम यशवर्धन-सुभा राजपूत

सीरियल शिव-शक्ति में भगवान शंकर की भूमिका निभाने वाले एक्टर राम यशवर्धन और देवी शक्ति की भूमिका निभाने वालीं एक्ट्रेस सुभा राजपूत ने टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की एक्सक्लूसिव बातचीत में कहा, हम खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि टीवी के इतिहास में पहली बार कुछ ऐसा होने जा रहा है. और हमें इस प्रयोग में शामिल होने का मौका मिल रहा है. वैसे भी हमेशा फैन्स की शिकायत रहती है कि उन्हें 'शिव-शक्ति' में सिर्फ एक घंटे की कहानी देखने को मिलती है. अब 'लक्ष्मी-नारायण' के माध्यम से उनकी ये शिकायत हमें दूर करने का मौका मिला है. अब दर्शकों के साथ हमारी मुलाकात 2 घंटे चलेगी.

पहाड़ी क्षेत्रों में बेलदार सब्ज़ियों की खेती

जम्मू संभाग में पहाड़ी क्षेत्र हम उन्हें मानते हैं जो समुद्रतल से 1500 मीटर अथवा उससे अधिक ऊंचाई पर स्थित हैं। इन क्षेत्रों में मड़वाह, वाडवन, दच्छन, पाडर, छात्रू , किश्तवाड़, ठाठरी, बनिहाल, भद्रवाह, मेंढर, लोरन-मंडी, मंजाकोट, बनी, बसोहली ब्लॉक और भागवाह, अस्सर , गूल - गुलाबगढ़, महोर, डुडू - बसंतगढ़, दरहाल, इत्यादि के बहुत सारे भाग शामिल हैं। इन इलाकों में गर्मी, खुशगवार और बारिशें कम होती हैं लेकिन सर्दियें अधिक और नम होती हैं। इन क्षेत्रों की विशेषता है कि गर्मी की अन्य फसलों के साथ-साथ बेलदार सब्जियें जैसे घीया, खीरा, लौकी, कद्दू, फराशबीन, मटर, इत्यादि का उत्पादन ऐसे समय होता है जब कि गर्म मैदानी क्षेत्रों में इनका उत्पादन नहीं के बराबर होता है।

अनुकूल तापमान

कद्दू, करेला, लौकी और खीरे के बीज के जमाव एवं अच्छी बढ़वार के लिए न्यूनतम औसत तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से लेकर अधिकतम तापमान क्रमश: 20, 25, 24 तथा 24 डिग्री सेल्सियस उपयुक्त पाया गया है। इन्हीं फसलों के फल पकने के समय का अनुकूल तापमान क्रमश: 25 से 30 डिग्री सेल्सियस, 30 से 36 डिग्री सेल्सियस, 27 डिग्री सेल्सियस और 24 से 30 डिग्री सेल्सियस पाया गया है।

लौकी फसल की उत्तम उत्पादकता के लिए दिन छोटे होने चाहियें और तुलनात्मक दृष्टि से रात का तापमान भी कम ही होना चाहिए। टिंडा के बीज के जमाव एवं अच्छी बढ़वार के लिए न्यूनतम औसत तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तथा फल पकने के समय का अनुकूल तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पाया गया है।

तरबूज़ की फसल पकने के समय मौसम शुष्क होना चाहिए और इसी तरह से ख़रबूज़े के अच्छे उत्पादन के लिए भी मौसम गर्म तथा शुष्क होना लाभदायक है।

तरबूज़े के बीज के जमाव एवं अच्छी बढ़वार के लिए 24 से 28 डिग्री सेल्सियस तथा फल पकने के समय का अनुकूल तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस पाया गया है। ख़रबूज़े के बीज के जमाव एवं अच्छी बढ़वार के लिए 22 से 25 डिग्री सेल्सियस तथा फल पकने के समय का अनुकूल तापमान 30 से 34 डिग्री सेल्सियस पाया गया

इस कारण से इन पहाड़ी इलाकों के किसानों को बेलदार सब्ज़ियों की खेती से लाभ बहुत अधिक हो सकता है।

इस अंक में हम कद्दू जाती की सब्ज़ियों के विषय में बात करेंगे जिनमें सम्मिलित हैं घीया, खीरा, लौकी, कद्दू, ककड़ी / ख़रबूज़ा, तरबूज़ा, करेला, पेठा, टिंडा, तोरई, इत्यादि।

इन सभी फसलों के लिए उन्नत प्रजातियों के उत्तम बीज, खुली धूप , मनोरंजक मौसम, कम वर्षा व उत्पादन के लिए लम्बी अवधी की आवश्यकता होती है।

कद्दू जाती की सब्ज़ियों की उन्नत प्रजातियें

फसल-वार कद्दू जाती की सब्ज़ियों की उन्नत प्रजातियें जिनकी सिफारिश जम्मू संभाग के पर्वतीय क्षेत्रों के लिए की गई है, निम्नलिखित हैं

कद्दू प्रजातियें- पूसा विश्वास, आज़ाद - 1, अर्का चन्दन

करेला- पूसा दो-मौसमी, पूसा विशेष, पंजाब-14

घीय- पूसा समर प्रोलीफिक लॉन्ग, पूसा समर प्रोलीफिक राउंड, पंजाब लॉन्ग, पंजाब राउंड, पूसा लौकी - 4

टिंडा - अर्का टिंडा, टिंडा - 48

ख़रबूज़ा- पंजाब सुनहरी, पूसा मधु, हरा मधु, पंजाब हाइब्रिड

तरबूज़ा = शुगर बेबी, अशाई यमातो, अर्का ज्योति, ?न.एस - 2895 हाइब्रिड

खीरा - जापानीज लॉन्ग ग्रीन , पॉइन्सेट, पूसा संयोग, पंत संकर

उर्वरक की आवश्यकता

निर्धारित विधि से मिट्टी के नमूने की जांच कृषि विभाग की प्रयोगशाला (साइल टेस्टिंग लेबोरेटरी) में करके उर्वरकों की आवश्यकता का पता लगाना चाहिए। साइल हेल्थ कार्ड का उपयोग आवश्य करें।

रासायनिक खेती के सन्दर्भ में मिट्टी की जांच यदि नहीं हुई है तो भी यूरिया, डी.ऐ.पी., पोटाश खाद का इंतज़ाम करके रखें।

साधारणतय: जम्मू क्षेत्र में कद्दू, करेला और घीया में यूरिया 10 किलोग्राम, डी.ऐ.पी. 5.500 किलोग्राम और पोटाश क्रमश: 2.500, 4 और 4 किलोग्राम प्रति कनाल की आवश्यकता होती है।

टिंडा, तरबूज़ और हाइब्रिड खीरा में यूरिया 6 किलोग्राम, डी.ऐ.पी. क्रमश: 3.300, 4.400 और 4 किलोग्राम और पोटाश क्रमश: 2.500, 3.500 और 3 किलोग्राम प्रति कनाल की आवश्यकता होती है।

साधारण (गैर हाइब्रिड) खीरे में यूरिया, डी.ऐ.पी. और पोटाश खाद की आवश्यकता क्रमश: 3.500, 2.500 और 2 किलोग्राम प्रति कनाल की आवश्यकता होती है।

ख़रबूज़े की सफल खेती के लिए ज़मीन में मिटटी, रेत और देसी गली सड़ी खाद का अनुपात 2:1:1 में होना चाहिए। इस फसल के लिए उर्वरक की अधिक आवश्यकता होती है। साधारण (गैर हाइब्रिड) ख़रबूज़े में यूरिया, डी.ऐ.पी. और पोटाश खाद की आवश्यकता क्रमश: 12.500, 6.500 और 5 किलोग्राम प्रति कनाल की होती है जब कि हाइब्रिड ख़रबूज़े में यूरिया, डी.ऐ.पी. और पोटाश खाद की आवश्यकता क्रमश: 21, 11 और 8.500 किलोग्राम प्रति कनाल की होती है।

ज़मीन की तैयारी

कद्दू जाती की सब्ज़ियों की सफल खेती के लिए बिजाई से पूर्व ट्रेक्टर / हल द्वारा निर्धारित ज़मीन की गहरी जुताई करनी चाहिए और फिर ज़मीन को समतल बना लेना चाहिए।

पर्याप्त मात्रा में आर्गेनिक तत्व की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 10 क्विंटल (1 टन) प्रति कनाल की दर से देसी गली - सड़ी खाद मिट्टी में ट्रेक्टर/हल द्वारा अंतिम जुताई में अच्छी तरह मिलानी चाहिए।

पौधे मेढ़ों पर अथवा धरातल से 6-9 इंच ऊंची कियारियों (रैस्ड बेड) में लगाएं ताकि सिंचाई से अथवा वर्षा में जलमग्न होने से बचें।

उर्वरकों का उपयोग

साधारणतय: यूरिया की आधी खुराक (डोज़) और डी.ऐ.पी. और पोटाश खाद की पूरी खुराक (डोज़) ज़मीन की अंतिम जुताई में खेत की तैयारी करते समय मिट्टी में मिला देनी चाहिए और शेष यूरिया का आधा भाग बिजाई के 45 दिन बाद और फिर 2 माह बाद प्रत्येक पौधे से कुछ दूरी पर मिट्टी में मिलाया जाना चाहिए। परन्तु पौधों द्वारा इन पौष्टिक तत्वों के कुशल उपयोग की खातिर आजकल समय के विभिन्न अंतराल पर छिड़काव द्वारा प्रयोग भी सुझाया गया है जिसके लिए अपने स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य ही लेना चाहिए।

बीज की आवश्यक मात्रा

कद्दू, करेला, लौकी और टिंडे के बीज की प्रति कनाल 250 ग्राम की आवश्यकता होती है। तरबूज़े के बीज की प्रति कनाल आवश्यकता 160 ग्राम, खीरे के बीज की 100 से 150 ग्राम और ख़रबूज़े के बीज की 50 ग्राम होती है। हाइब्रिड खीरे के बीज की आवश्यकता केवल 10 से 15 ग्राम प्रति कनाल होती है।

पौधे से पौधे और कतार से कतार के बीच का अंतर

खेत में यदि आप सीधे बोआई करते हैं अथवा पॉलिथीन लिफाफों में उगे पौधों की रोपाई करते हैं तो पौधे से पौधे और कतार से कतार के बीच का अंतर निम्नलिखित सिफारिश के अनुसार करें

कद्दू -2 से 2.5 फुट पौधे से पौधे के बीच अंतर और 3 फुट कतार से कतार के बीच अंतर

करेला- 1.5 से 2 फुट पौधे से पौधे के बीच अंतर और 3 फुट कतार से कतार के बीच अंतर

घीया = 3 फुट पौधे से पौधे के बीच अंतर और 6 से 7.5 फुट कतार से कतार के बीच अंतर

टिंडा- 1.5 फुट पौधे से पौधे के बीच अंतर और 5 फुट कतार से कतार के बीच अंतर

ख़रबूज़ा - 2.5 फुट पौधे से पौधे के बीच अंतर और 6 से 7.5 फुट कतार से कतार के बीच अंतर

तरबूज़ा - 2.5 फुट पौधे से पौधे के बीच अंतर और 7 फुट कतार से कतार के बीच अंतर

खीरा = 2 से 3 फुट पौधे से पौधे के बीच अंतर और 4.5 से 6 फुट कतार से कतार के बीच अंतर

इस फासले को रखने से प्रत्येक पौधे को पर्याप्त धुप, पौष्टिक तत्व और हवा मिलते हैं। निगाई-गुड़ाई, खर-पतवार नियंत्रण, उर्वरक उपयोग तथा नाशीजीव नियंत्रण, सिंचाई, फसल की देख-भाल, तुड़ाई इत्यादि में भी सहायता मिलती है जिससे उत्पादकता निश्चय ही बढ़ती है।

पौधों की रोपाई के समय और अन्य आवश्यक अवस्था में पर्याप्त सिंचाई करें, न अधिक और न ही कम। टपका (ड्रिप) सिंचाई की संभावना तलाशें और संभव हो तो अवश्य उपयोग में लाएँ।

कीट नियंत्रण

यदि आप आर्गेनिक खेती नहीं कर रहे और रसायनों का उपयोग करते हैं तो कद्दू वर्गीय फसलों के प्रमुख कीट नियंत्रण की विधी निम्नलिखित है जिसे आप अपने स्थानीय कृषि विशेषज्ञ के परामर्श से आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाएँ

1. कद्दू का लाल भृंग

यदि यह नाशीजीव आर्थिक हानि के स्तर पर पहुँच गए हैं तो 0.3 मिलीलीटर एसीटामिप्रिड दवाई का प्रति लीटर जल की दर से घोल बना कर अथवा 2 ग्राम कार्बारिल 50 डब्लियो.पी. दवाई का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर सायं समय पौधों पर छिड़काव करें।

2. फल मक्खियां (फ्रूट फ्लाईज़)

- प्रति एक हेक्टेयर में 5 से 10 मिथाइल उजिनोल ट्रैप (1 कनाल में 1 ट्रैप) स्थापित करें जिससे सभी नर फल मक्खियां इस ओर आकर्षित होंगे और हानिकारक कीट मारे जाएंगे। प्रजनन न होने से फसल का बचाव हो जाएगा।

1 मिलीलीटर मेलाथियान नाम की दवाई का प्रति लीटर पानी में 10 ग्राम गुर का घोल बना कर सायं समय छिड़काव करें। फल मक्खियां इस ओर आकर्षित होंगे और मारे जाएंगे। फसल का बचाव हो जाएगा।

3. माहु / रस चूसने वाले पतंगे और पर्ण (अफिड्स और जसिड्स)

0.3 मिलीलीटर ऐमिडाक्लोप्रिड नामक दवाई का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर 15 दिन के अंतराल पर फसल में छिड़काव करें। माहु / रस चूसने वाले पतंगे और पर्ण नष्ट हो जाएंगे।

रोग नियंत्रण

1. चूर्णिल आसिता (पाउडरी मिलदेव)

इस बीमारी की रोक-थाम के लिए 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम का प्रति लीटर पानी में घोल बना कर अथवा 2 ग्राम घुलनशील गंधक (सल्फर) प्रति लीटर पानी में घोल बना कर 7 से 10 दिन के अंतराल पर प्रात: और सायं समय रोगी पौधों पर छिड़कें। अन्य अवस्था में इस बीमारी की रोक-थाम के लिए 1 मिलीलीटर डाइनोकाप का प्रति 2 लीटर पानी में घोल बना कर (0.05%) पौधों पर छिड़काव करें।

मधुमेह का संपूर्ण इलाज आयुर्वेद में संभव है?

नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नॉलॉजी इनफोरमेषन के आँकडों के अनुसार भारत में 97700 बच्चों में मधुमेह टाईप-1 पाया गया है। जैसा कि विदित है भारत ने 28 अक्टोबर को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया है इसी अवसर पर हमने श्री श्री आयुर्वेद की संस्थापक निदेशक डॉ. नीषा मनीकंटन से बातचीत की कि जिस तरह से मधुमेह एक दुस्वप्न की तरह हमारे देश में व्याप्त हो गया है, इसके इलाज का कोई विकल्प आयुर्वेद में क्या है। और यह भी कि हमारी शगर के प्रति बढती भूख को कम करने का कोई स्वास्थ्यवर्धक विकल्प उपलब्ध है या नहीं। रक्त में ग्लूकोस की मात्रा की अधिकता से मधुमेह का जन्म होता है। शरीर में उर्जा ग्लूकोस के रूप में उपलब्ध रहती है। जब यह ग्लूकोस रक्त द्वारा पूरी तरह से अवषोषित नहीं किया जाता है तो मधुमेह होता है। षरीर में गलूकोस के अवषोषण के लिए पेनक्रियास द्वारा छोडा गया इंसूलीन जवाबदेह होता है।

प्रशन- बच्चो में मधुमेह टाईप-2 के क्या सामान्य लक्षण हैं? उत्तर- प्यास लगना, ज्यादा भूख लगना, खुजनी होना, अत्यधिक पेशाब आना, षरीर में सूखापन जैसे लक्षण आमतौर रहते हैं। बच्चों में मधुमेह टाईप-1 के अक्सर कोई लक्षण नहीं पाए जाते हैं।

प्रशन- कौनसी हमारी जीवनशली की गलतियाँ है जो मधुमेह बीमारी के लिए जिम्मेदार होती है?

उत्तर- यह सर्वविदित है कि हमारी खराब जीवनषैली और इसके बाद अनुवांषिक और चिकित्सकीय कारण मधुमेह के लिए जिम्मेदार होते हैं। लंबे समय तक खान-पान की गलत आदतें हमारे पेनक्रियास कार्यप्रणाली को हानि पहुँचाती हैं। एक महत्वपूर्ण बिन्दु यह है कि आप कब खाते हैं और कब-कब खाते हैं। आजकल स्नेक्स बहुत ही आम हो गये है। आयुर्वे में हम 'द्विवीकाल भोजनम्' अर्थात दिन में दो बार भोजन का सुझाव देते हैं। दूसरे समय में हल्का जैसे छाछ या नारियल पानी ले सकते हैं। जब भी आप जितनी बार खाना खाते हैं तब षरीर इंसुलीन छोडता है और इसके प्रति प्रतिरोधकता तैयार हो जाती है। शरीर इसका उपयोग नहीं कर सकता है। खना-पान में अनियमितता भी एक कारण है। तीसरी गलती हम करते है जब कम क्रियाषील होना और तनावग्रस्त रहना जो इंसुलीन के मानक को बिगाडते हैं।

प्रशन- तनाव किस तरह से मधध्मेह के लिए जिम्मेदार है और इसे कैसे कम किया जा सकता है?

उत्तर- हम यह नहीं सिखाते हैं कि तनाव से कैसे लडें। आर्ट ऑफलिविंग के लिविंग वेल कार्यक्रम में हम योग, ध्यान और सुदर्षन क्रिया सिखाते हैं। इसके सहारे वे अपने तनाव को दूर कर सकते हैं।

हमने अपने अनुसंधान में भी पाया है कि किस तरह से सुदर्षन क्रिया करने से षुगर का स्तर नीचे गिरा है और उनमें कई जटिलताओं को भी कम होते पाया है।

सर्वांगीण चिकित्सा पद्धति में हम मेहांतक वटी और नीषा मलकी (हल्दी और करोंदे दोनों एण्टीऑक्सिडेंट है) का प्रयोग करते हैं। इससे न केवल प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होता है बल्कि कई अन्य जटिलताओं का भी खात्मा होता है। बच्चों की सोने की आदतें नियमित करने का भी मधुमेह नियंत्रण में महत्वपूर्ण स्थान है। षरीर में भी एक घडी होती है। जल्दी उठना, जल्दी सोना और दिनचर्या को नियमित रखना भी मधुमेह नियंत्रण में काफी काम आता है।

प्रशन- मधुमेह को दूर रखने के लिए आप किस तरह के खान-पान का सुझाव देंगी? उतर- हमारे यहाँ करेला-जामून का रस भी उपलब्ध है और ये दोनों षुगर को शरीर में एकीकृत करते हैं। बच्चों के लिए जिन्हे मधुमेह हो चुका है उनमें खान-पान बहुत ही मायने रखता है।

शुगर- को जहाँ तक हो सकें कम करें। ऐसे खाद्य प्रदार्थो को न चुने जिनमें ग्लासिमिक इंडेक्स ज्यादा होता है, ऐसा खाना हो जिसमें कार्बोहाईड्रेट व प्रोटीन ज्यादा हो तथा हरी सब्जियाँ ज्यादा हों। आयुर्वेद में फ्ल भी खाने के लिए कहा जाता है। इसके साथ दिन में दो बार भोजन पर सख्ती से पालन करें। डनहे तीन से चार बार उनकी मधमेह की टाईप के अनुसार और स्वयं की प्रकृति के अनुसार खाना खाना होता है।

जैविक खेती का आसान तरीका

सी एम शर्मा

जैविक खाद (एक एकड़ खेत के लिए) कैसे बनाये

एक पलास्टिक के ड्रम में नीचे लिखी पाँच चीजों को आपस में मिला लें.

10 किलो गोबर (देशी गाय का, बैल का, या भैंस का)

10 लीटर मूत्र (देशी गाय का, बैल का, या भैंस का)

1 किलो गुड़ (कैसा भी चलेगा, जो सड़ गया हो आपके उपयोग का ना हो तो वो ज्यादा अच्छा है)

अब इसमे 1 किलो पिसी हुई दाल या चोकर (कैसा भी चलेगा, आपके उपयोग का ना हो तो ज्यादा अच्छा) और अंत मे डालनी है 1 किलो मिट्टी किसी भी पुराने पेड़ के नीचे की पीपल, बरगद ज. (पीपल ,बरगद के पेड़ 24 घंटे आक्सीजन छोड़ते है ! जिससे जीवाणुओ की संख्या ज्यादा होगी यही जीवाणु खेत को चाहिए !!

तो कुल 5 चीजे हो गई

1) 10 किलो गोबर

2) 10 लीटर मूत्र

3) 1 किलो गुड

4) 1 किलो दाल

5) 1 किलो मिट्टी

इन पांचों को आपस मे मिला दो हाथ से या किसी डंडे से ! मिलाने मे तकलीफ आए तो थोड़ा पानी डाल दो पानी थोड़ा सा ही डालना है अब इसे 15 दिन तक छाँव में रखो,पेड़ की छाँव के नीचे ज्यादा बढ़िया। धूप मे बिलकुल मत रखना !और रोज सुबह शाम एक बार इसे मिला दो. 15 दिन बाद ये खाद बन कर तैयार हो जाएगी इस खाद करोड़ो करोड़ो सूक्ष्म जीवाणु होगी वो हमने जो मिट्टी डाली ना उसी के जीवाणु अपनी संख्या बढ़ाएँगे ।

दिन मिट्टी डाल कर रखा था अगर उस दिन 1 लाख जीवाणु है तो 15 दिन बाद इनकी संख्या 100 करोड़ को पार कर जाएगी

अब इस खाद (जीवाणु घोल) को खेत मे डालना है और डालने से पहले इसमे पानी मिलना है पानी कितना मिलना है जितना गोबर था उसका 10 गुना पानी। 10 किलो गोबर था तो 100 लीटर पानी तो पानी मिलाने के बाद ये पूरा घोल तैयार हो जाता है और इसे बस अब एक एकड़ के खेत मे छिड़कना है ! जैसे मिट्टी दबाने के लिए हम पानी छिड़कते है वैसे छिड़कना है

आप इसे छिड़क देंगे तो ये जीवाणु मिट्टी मे मिल जाएंगे और मिट्टी मे सारा खेल खेलने का काम ये जीवाणु ही करते हैं ! आपको पता है ये जीवाणु क्या कम करते है ?

पोधे की जड़ को नाइट्रोजन

चाहिए तो ये जीवाणु उपलब्ध करवाते है

पोधे की जड़ को कैल्शियम चाहिए तो ये जीवाणु उपलब्ध करवाते है

पोधे की जड़ को आइरन चाहिए तो ये जीवाणु उपलब्ध करवाते है

अर्थात पोधे को जितने सूक्ष्म तत्व चाहिए और पोधे के फल से होते हुए हमारे शरीर को भी चाहिए तो ये जीवाणु ही उपलब्ध करवाते हैं ।

तो जिस पोधे को जीवाणु ज्यादा मिलेंगे तो उसकी बढ़त ज्यादा होगी बढ़त ज्यादा होगी तो फल ज्यादा होगा फल ज्यादा होगा तो उत्पादन ज्यादा होगा !

अब समय लिख लो इसको कितनी बार कैसे कैसे डालना है।

सब्से अच्छा तरीका है की बीज डालने से पहले जब आप खेत की जुताई करे ठीक उसके अगले दिन डाल दीजिये । फिर बीज बो दिये जिये और बीज बोने के 21 दिन बाद फिर डाल दो ! आप मोटी सी बात याद रखो हर 21 दिन बाद डल दो । मान लो एक फसल 4 महीने की है तो 5 बार डालना पड़ेगा ।

इसको छिड़कने की कुल 4 विधि है !!

1) पहली ये की सीधे डब्बा लो भरो और छिड़क दो ।

भरो और छिड़क दो अब आप कहोगे खेत बड़ा है तो क्या करे !

तो दूसरा तारीक है खेत मे पानी लागाते है तो पानी मे डाल दो नाली मे से पानी जा रहा है एक टंकी मे इसको भरकर टूटी खोल दो टपक टपक पानी के साथ चला जाएगा

तीसरा तरीका ये है अगर आपके पास जानवरो की संख्या ज्यादा है तो गोबर ज्यादा होगा थोड़ा गोबर तो खाद बनाने मे काम आ गया बाकी गोबर का क्या करोगे तो बाकी गोबर अगर सूखा हुआ है तो उसे भी 15 दिन बाद 200 लीटर पानी के साथ इसी ड्रम मे डाल दो फिर उस गोबर के लड्डू बना लो खेत मे छिड़क दो ।

एक और तरीका है खेत की मिट्टी खोद लो मिट्टी मे ये पूरा घोल मिला दो मिट्टी गीली हो गई इसके लड्डू बना खेत मे छिड़क दो !!

अब अगर जानवर घर के है तो गोबर ,गौ मूत्र फोकट का ।